04 - याद रखा जाना चाहिए शिशुओं का जलना

05 - कविता मनुष्य की ज्ञान शक्ति का विस्तार करती है

A Daily News Magazine

भोपाल

शनिवार, 15 जून, 2024

06- रक्तदान को लेकर बैतूल में रक्तक्रांति कार्यक्रम अभिनव प्रयास...

07- शिक्षा के अधिकार का उपहास न उड़े !

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 278 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

सत्ता को चुनौती देने वाली बीजेपी जीती व सत्ताधारी भाजपा हारी

योगेंद्र यादव, राहुल शास्त्री एवं श्रेयस सरदेसाई

क्या चुनाव के नतीजों को सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ आये जनादेश के रूप में देखा जा सकता है? बेशक एनडीए के पास इतनी सीटें हैं कि वो सरकार बना ले, लेकिन बीजेपी ने न सिर्फ बहुमत गंवाया बल्कि वह जनता-जनार्दन के दिल से भी उतर गई है। बीजेपी भले ही चुनावी मुकाबले के अपने प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ते हुए सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी हो, लेकिन बीजेपी को मिली सीटों की तादाद को ''400 पार'' या ''50 प्रतिशत से ज्यादा'' के वोट शेयर के पार्टी के घोषित लक्ष्य के आईने में देखना चाहिए। इससे भी बड़ी बात ये कि चुनाव के नतीजों को उनके राजनीतिक संदर्भ के भीतर परखना होगा कि कैसे धन-बल, मीडिया-बल और सरकारी मशीनरी ही नहीं बल्कि चुनाव आयोग तक का विपक्ष के खिलाफ दुरूपयोग किया गया।

ऊपर के तर्कों की एक संभावित काट बीजेपी को मिले वोटशेयर के सहारे की जा सकती है। बीजेपी के वोटशेयर में बड़ी हल्की सी कमी (37.4 प्रतिशत से घटकर 36.6 प्रतिशत) आयी है। ओडिशा में बीजेपी की नाटकीय ढंग से जीत हुई है, केरल में उसने अपना खाता खोला है और आंध्र प्रदेश तथा पंजाब में अपनी मौजूदगी को बेहतर किया है। अब बीजेपी अखिल भारतीय विस्तार वाली पार्टी है बीजेपी के तरफदार इन्हीं तथ्यों के आधार पर अपनी पार्टी की जीत का दावा कर रहे हैं। लेकिन स्वतंत्र पर्यवेक्षक आगाह करते हैं कि हड़बड़ी में ढोल-नगाड़े बजाना ठीक नहीं क्योंकि बीजेपी की पकड़ कहीं ज्यादा मजबूत हुई है।

राज्यवार वोट शेयर पर गहरी नजर डालने से पता चलता है कि कुछ इलाकों में सत्तापक्ष के घटने और कुछ इलाकों में बढ़त बनाने की बात सही नहीं है। दरअसल इस चुनाव का जनादेश सत्तापक्ष के विरूद्ध है। हां, यह बात जरूर है कि बीजेपी हर जगह सत्ता में नहीं है। आइए, आगे के सोच-विचार के लिए क्षण भर को ये मान लें कि दो अलग-अलग बीजेपी चुनाव मुकाबले के मैदान में थी – एक बीजेपी वह जो सत्ता में थी और एक बीजेपी वह जो सत्ता-पक्ष के खिलाफ मुकाबले के मैदान में खड़ी थी। जो बीजेपी सत्ता में थी, उसे चुनावी मुकाबले में जोर का झटका लगा है लेकिन जो बीजेपी सत्ता-पक्ष के खिलाफ लड़ रही थी उसे बेहतर चुनावी परिणाम हासिल हुए हैं। इस बार राष्ट्रीय स्तर पर बीजेपी के खिलाफ जो सत्ता-विरोधी जनादेश आया है, उसकी सच्चाई को कुछ राज्यों में बीजेपी के पक्ष में गये सत्ता-विरोधी वोट के सहारे आंशिक रूप ढंका जा सकता है। देश के दो तिहाई हिस्से (ठीक-ठीक कहें तो 356 सीटों) पर राजनीतिक पार्टी के रूप में बीजेपी का दबदबा है भले ही वह इस हिस्से के किसी राज्य में सत्ता में हो या ना हो। यह इलाका महाराष्ट्र और गुजरात से शुरू होकर पूरब में बिहार और झारखंड तक विस्तृत है और इसमें कर्नाटक तथा हिमाचल प्रदेश जैसे राज्य भी शामिल हैं जहां फिलहाल बीजेपी सत्ता में नहीं है। सत्ताधारी बीजेपी को इन राज्यों में चुनावों में उसके चले आ रहे राजनीतिक एकाधिकार को तेज झटका लगा है, पिछले लोकसभा चुनाव में इन राज्यों में पार्टी की 271 सीटों पर जीत हुई थी और इस बार पार्टी इन 271 सीटों में 75 सीटें हार गई है। कर्नाटक से बिहार तक विस्तृत इस इलाके में हर जगह बीजेपी के खिलाफ औसतन 5 प्रतिशत वोटों का घुमाव हुआ है।

लेकिन देश के शेष एक तिहाई हिस्से (187 सीट) में बीजेपी इस बार सत्ता-विरोधी ताकत के रूप में चुनावी मैदान में उतरी थी, जहां उसका मुकाबला इलाके की सत्ताधारी पार्टी या फिर राजनीतिक दबदबे वाली पार्टी से था, जैसे- ओड़िशा में बीजेडी से, आंध्रप्रदेश में वायएसआरसीपी से और पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस से। चुनावी मुकाबले में सत्ता-पक्ष के खिलाफ उतरी इस बीजेपी ने केंद्र में सत्ताधारी बीजेपी के लिए लाज बचाने का काम किया है। बीजेपी ने इस इलाके में 2019 के लोकसभा चुनाव में हासिल अपनी सीटों की फेहरिस्त में 12 सीटों का इजाफा किया है। इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह कि इस इलाके में बीजेपी के पक्ष में औसतन छह प्रतिशत वोटों का घुमाव हुआ है और इसी कारण अखिल भारतीय स्तर पर देखने पर बीजेपी के वोटशेयर में महज एक प्रतिशत की कमी आई दिखायी पड़ रही है।

बीजेपी का वोटशेयर उससे कहीं ज्यादा बदतर है जितना कि वह दिखायी दे रहा है। साल 2019 तथा 2024 में पार्टी जिन 399 सीटों पर चुनावी मैदान में थी उसमें 274 सीटों पर उसके वोटशेयर में कमी आयी है। इनमें महाराष्ट्र, राजस्थान, बिहार, झारखंड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब तथा जम्मू-कश्मीर की सारी सीटें तथा उत्तर प्रदेश की केवल दो को छोड़कर सभी सीटें शामिल हैं।

बीजेपी की जीत के अन्तर में भी तेज गिरावट आयी है। जिन सीटों पर बीजेपी की जीत 20 प्रतिशत या उससे ज्यादा मतों के अन्तर से हुई है, उनकी संख्या पिछली 151 सीटों के मुकाबले घटकर 77 रह गई है। जिन 215 सीटों पर बीजेपी का मुकाबला सीधे कांग्रेस से था मतलब जहां बीजेपी और कांग्रेस शीर्ष के दो स्थानों पर हैं, वहां बीजेपी के वोटों में हुए घुमाव को देखना इस सिलसिले में सोच-विचार के लिए उपयोगी हो सकता है। जहां बीजेपी को हम सत्तापक्ष को चुनौती देने वाली ताकत के रूप में लड़ते देखते हैं वहां जाहिर हो जाता है कि भीतर ही भीतर धारा बीजेपी के पक्ष में बह रही थी। मिसाल के लिए, तेलंगाना में बीजेपी ने अपने वोटशेयर में 15.7 फीसद की भारी-भरकम बढ़ोत्तरी की है और ओड़िशा में पार्टी को मिले 7 प्रतिशत अतिरिक्त वोटों ने सूबे में लोकसभा की सीटें एकमुश्त बटोर ले जाने में मदद की। केरल में 3 प्रतिशत वोटशेयर की अपेक्षाकृत कम मगर लगातार बढ़त ने पार्टी को लोकसभा की पहली सीट जीतने में कामयाबी दिलायी। पश्चिम बंगाल में उसके वोटशेयर में 1.3 प्रतिशत की कमी आयी है। इस लोकसभा चुनाव का असल सवाल था- क्या सियासी सत्ता-तंत्र पर इस बार जनता-जनार्दन अपनी सहमति की मुहर लगायेगा? ऐसे में अचरज नहीं कि पूरा चुनाव बीजेपी के स्वघोषित लक्ष्य– चार सौ ज्यादा सीटें और 50 प्रतिशत से ज्यादा वोट के इर्द-गिर्द घूमता रहा। यह एक ऐसा चुनाव था जिसमें चुनावों की घोषणा से पहले ही एक व्यापक दायरे में मान लिया गया था कि जीतना तो बीजेपी को ही है। असल कहानी बन गया था – मोदी और उनकी पार्टी का बनाया सत्ता का चक्रव्यूह।

भविष्य के लिए असल सवाल है- बीजेपी का जो सत्ता-विरोधी रूप है वह सत्ताधारी बीजेपी को कितने दिनों तक बचाये रखता है?

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

जी-7 समिट में मेलोनी से मिले पीएम मोदी

दोनों ने हाथ जोड़कर नमस्ते किया

● पीएम मोदी कैथोलिक चर्च के प्रमुख पोप फ्रांसिस से मिले ● गर्भपात पर मैक्रों से इटली की पीएम मेलोनी की हुई बहस

रोम (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 50वें जी7 समिट के लिए इटली में हैं। पीएम ने शुक्रवार को इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को हाथ जोड़कर नमस्ते किया।

जी7 के मंच पर मैक्रों और मेलोनी के बीच हुई बहस- जी7 में फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी के बीच बहस हो गई। दरअसल, मैक्रों ने जी7 के जॉइंट स्टेटमेंट में गर्भपात के अधिकार का मुद्दा उठाने की मांग की। लेकिन मेलोनी ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि मैक्रों जी7 को चुनावी राजनीति का मंच न बनाएं।

पीएम मोदी बोले- बातचीत से निकालें रूस-यूक्रेन जंग का हल- रूस-यूक्रेन जंग के बीच पीएम मोदी ने जी7 समिट के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात की है। पीएम मोदी ने उन्हें गले भी लगाया। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। इस दौरान पीएम मोदी ने जंग पर भारत के रुख को दोहराया। उन्होंने कहा है कि किसी भी विवाद का समाधान कूटनीति और बातचीत के जरिए ही निकाला जा सकता है।

नमस्ते इटली- जी7 में 'नमस्ते' से मेहमानों का वेलकम कर जार्जिया मेलोनी ने जीता दिल- इटली में हो रहे ग्लोबल साउथ के जी-7 शिखर सम्मेलन में भारत, अमेरिका, कनाडा समेत कई देशों के प्रमुख पहुंचे है। इटली की पीएम जार्जिया मेलोनी ने काफी गर्मजोशी से सभी मेहमानों का स्वागत किया है। इस दौरान मेलोनी ने कई मेहमानों का स्वागत हाथ जोड़कर नमस्ते करते हुए किया।

नीट पेपर लीक मामला

सुप्रीम कोर्ट का एनटीए को नोटिस

● शिक्षा मंत्री प्रधान स्टूडेंट और पेरेंट्स से मिले, बोले- कोर्ट जो भी कहेगा, हम करेंगे ● 8 जुलाई को सुनवाई होगी

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार 14 जून को नीट यूजी पेपर लीक और इसकी सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि एनटीए दो हफ्तों के अंदर इस पर अपना पक्ष रखे। इस मामले पर 8 जुलाई को अगली सुनवाई होगी।

पिटीशनर हितेश सिंह कश्यप का आरोप है कि गुजरात के गोधरा में जय जल राम परीक्षा सेंटर को चुनने के लिए कर्नाटक, ओडिशा, झारखंड आदि राज्यों में 26 छात्रों ने 10-10 लाख रुपए घूस दी थी।

कश्यप ने कहा कि इस सेंटर पर ड्यूटी दे रहे टीचर सहित 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार टीचर के पास से सभी 26 छात्रों की डीटेल मिली है।

शिक्षा मंत्री प्रधान बोले- 6 सेंटरों पर गड़बड़ियों बात भी सामने आई

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि हमने कुछ स्टूडेंट्स को बुलाया था, उनके पेरेंट्स से भी मिला। मैंने उनको आश्वस्त किया है कि सरकार पारदर्शी प्रक्रिया के लिए प्रतिबद्ध है। 24 लाख एप्लीकेंट्स थे, 23 लाख 33 हजार विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। स्टूडेंट्स की कुछ शंकाएं सामने आई थीं। प्रधान ने कहा कि 6 सेंटरों पर गड़बड़ियों बात भी सामने आई। ग्रेस मार्क्स को लेकर भी आपत्ति आई है। कल ही सुप्रीम कोर्ट ने 1500 से ज्यादा स्टूडेंट्स को दोबारा एग्जाम देने का बोल दिया है। नीट को लेकर सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट्स में 41 पिटीशन लगी हैं।

आरोपी का कबूलनामा, हमें हू-ब-हू पेपर मिला था, बिहार में 19 गिरफ्तार; केंद्र ने कहा- पेपर लीक के सबूत नहीं

नीट परीक्षा में किसी प्रकार की धांधली, भ्रष्टाचार या पेपर लीक का कोई भी पुख्ता सबूत अभी तक सामने नहीं आया है। पेपर कहीं भी लीक नहीं हुआ है। एनटीए में भ्रष्टाचार का सवाल ही नहीं उठता। यह बहुत विश्वसनीय निकाय है। पटना के लर्न हॉस्टल में मुझे 4 मई को ले जाया गया। मुझे प्रश्न पत्र उत्तर सहित दिया गया और याद करने के लिए कहा गया था। आज की परीक्षा में सभी प्रश्न शत-प्रतिशत मिले थे। मेरे साथ वहां 20-25 परीक्षार्थी भी मौजूद थे। उनको भी प्रश्न पत्र उत्तर सहित दिया गया और रटाया गया।

सिक्किम में लैंडस्लाइड से 6 की मौत, कई लापता

पर्यटन स्थलों पर 2 हजार से ज्यादा लोग फंसे 12 राज्यों में हीटवेव का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के उत्तरी राज्यों में हीटवेव और तेज गर्मी का दौर लगातार जारी है। दूसरी ओर नॉर्थ-ईस्ट में भारी बारिश देखने को मिल रही है। पिछले तीन दिन से जारी बारिश के चलते सिक्किम में अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है। जगह-जगह लैंडस्लाइड और बाढ़ में सैकड़ों घर और कई सड़कें बह गईं।

● आंध्र प्रदेश में मिनी ट्रक और कंटेनर लॉरी की टक्कर में 6 लोगों की मौत

नईदिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले में शुक्रवार (14 जून) को एक मिनी ट्रक ने कंटेनर लॉरी को टक्कर मार दी। इस हादसे में 6 लोगों की मौत की खबर है। डीएसपी सुभानी ने बताया कि मिनी ट्रक लकड़ी लदे एक ट्रैक्टर को ओवरटेक करते समय कंटेनर लॉरी से टकरा गया। पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई।

मुख्यमंत्री मोहन यादव की सभा में जमकर बरसे बदरा

मुख्यमंत्री ने मां ताप्ती को उड़ाई 108 साड़ियों की चुनरी, 347 करोड़ के 1008 विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

असलम अहमद मुलताई, संजय द्विवेदी बैतूल। नमामि गंगा जल संवर्धन अभियान के तहत पवित्र नगरी मुलताई पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने 347 करोड़ रुपए के 1008 कार्यों का विकास कार्यों का भूमि पूजन किया। ताप्ती पूजन और रोड शो के बाद जब मुख्यमंत्री हाई स्कूल ग्राउंड पर आमसभा को संबोधित कर रहे थे अचानक तेज बारिश होने लगी। हालांकि वाटरप्रूफ टेंट होने के कारण लोग नहीं भीगी किंतु उपस्थित नागरिकों को सभा खत्म होने के घंटे के बाद तक बरसात थमने का इंतजार करना पड़ा। मुख्यमंत्री अपने निर्धारित कार्यक्रम से डेढ़ घंटा लेट मुलताई पहुंचे थे। मुख्यमंत्री का काफिला मसोद रोड पर बनाए गए हेलीपैड से नाका नंबर एक पहुंचा जहां मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपने रोड शो का आरंभ किया उनके साथ सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री डीडी उइके भी थे।

रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री का जगह-जगह स्वागत- रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री का जगह-जगह स्वागत किया गया, पुष्प वर्षा की गई मुस्लिम भाइयों ने भी मस्जिद के ऊपर से खड़े होकर मोहन यादव पर पुष्प वर्षा की। जामा मस्जिद के सामने भाजपा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला कोषाध्यक्ष जाफर पटेल के नेतृत्व में अल्पसंख्यक युवाओं ने मुख्यमंत्री का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ताप्ती तट पहुंचे। जहां मुख्यमंत्री ने मां ताप्ती मंदिर पहुंचकर मां ताप्ती की पूजा अर्चना की। इसके उपरांत ताप्ती सरोवर घाट पर मां ताप्ती को 108 साड़ियों की चुनरी उड़ाई। मां ताप्ती का जल एवं दुग्ध से अभिषेक किया और मां ताप्ती की आरती की। इसके उपरांत मुख्यमंत्री विद्यालय ग्राउंड पर बनाए गए आम सभा स्थल पर पहुंचेंगे जहां 347 करोड रुपए के सीक्रेट 1008 कार्यों का भूमि पूजन कर आम सभा को संबोधित किया। अभी सभा चल रही थी कि तभी तेज वर्षा प्रारंभ हो गई, जिससे वापस जाने वालों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

– शेष पेज 6 पर

सुप्रभात

प्राणधन उपमेय हो तुम या कि
तुम उपमान हो ।
कौन सी उपमा तुम्हें दूँ
रूप की तुम खान हो ।।
कौमुदी तुम पूर्णिमा की या
उषा हो भोर की,
मन गगन की हो सुधाकर या
कि तुम दिनमान हो ।
रूप की मंदाकिनी हो
या कि निर्झर नेह का,
या कि तुम अनुराग सरवर
का विमल स्नान हो ।
तुम मृदुल कलिका कमल
की या तुहिन की बूँद हो,
या कि मलयज की
सुशीतल पवन का प्रतिभान हो ।
तुम नयन का स्वप्न हो
या मन की मृगतृष्णा हो तुम,
हो अजानी सी तृषा या
तृप्ति का वरदान हो ।
धमनियों का रक्त हो या
श्वास और प्रश्वास हो,
हो तुम्हीं धड़कन हृदय की
प्राण की तुम प्राण हो ।

– डॉ. राम वल्लभ आचार्य

भोपाल का तापमान
अधिकतम 42.5 °c
न्यूनतम 36°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शनिवार, 15 जून 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सदस्य इंद्रेश बोले-

अहंकार ने भाजपा को 241 पर रोका

राम सबके साथ न्याय करते हैं, पार्टी ने घमंड किया तो उसे पूरी ताकत नहीं दी

जयपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य इंद्रेश कुमार के भाजपा को लेकर दिए बयान पर विवाद शुरू हो गया है। इंद्रेश कुमार ने कहा था कि अहंकार ने भाजपा को 241 पर रोक दिया। इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सहयोगी दल के नेता और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि उन्हें इसमें खुश रहने दें। राम ने हमें काम करने के लिए बहुमत दिया है।

इससे पहले इंद्रेश कुमार ने कहा- राम सबके साथ न्याय करते हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव को ही देख लीजिए। जिन्होंने राम की भक्ति की, लेकिन उनमें धीरे-धीरे अहंकार आ गया। उस पार्टी को सबसे बड़ी पार्टी घोषित कर दिया। उनको जो पूर्ण हक मिलना चाहिए, जो शक्ति मिलनी चाहिए, वो भगवान ने अहंकार के कारण रोक दी।

इंद्रेश कुमार जयपुर के पास कानोता में रामरथ अयोध्या यात्रा दर्शन पूजन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने आगे कहा, जिन्होंने राम का विरोध किया, उन्हें बिल्कुल भी शक्ति नहीं दी, उनमें से किसी को भी शक्ति नहीं दी। सब मिलकर (इंडिया ब्लॉक) भी नंबर-1 नहीं बने, नंबर-2 पर खड़े रह गए। इसलिए प्रभु का न्याय विचित्र नहीं है, सत्य है, बड़ा आनंददायक है।

राम-सीता के परित्याग से दी भाजपा को नसीहत

इंद्रेश कुमार ने राम की ओर से सीता का परित्याग करने के पीछे भी नई कहानी बताते हुए भाजपा को नसीहत दी। उन्होंने कहा राम हर 100 साल में अपने राज्य में अश्वमेघ यज्ञ करते थे, ताकि उनके राज्य में कोई भूखा न रहे, कोई वंचित न रहे, कोई शिक्षा के बिना न रहे, कोई दुखी न रहे। राम का जितना बड़ा राज्य था, आज तक किसी का नहीं हुआ।

इंद्रेश कुमार ने कहा- अंत में एक समय आता है तो मां सीता ने आकर कहा कि तुम्हारे राज्य में लोगों को यह शक होने लगा है कि तुम भोग विलास में तो नहीं लग जाओगे। अपने रिश्तेदारों में और भाइयों के हितों में तो नहीं उलझ जाओगे। आपके अंदर भी सत्ता का अहंकार तो नहीं आ जाएगा, जब यह चर्चा सीता ने की तो राम ने पूछा कि करना क्या है, तो राम ने सीता से पूछा कि मुझे किस चीज का परित्याग करना है।

सीता ने कहा कि आपकी प्रियतम कौन है। उस प्रियतम का आप त्याग कीजिए। दुनिया आपको हमेशा के लिए उदाहरण मानकर आपका सम्मान करेगी। इसलिए राम ने चर्चा करके ही सीता के त्याग की परिकल्पना की थी। यह तय हुआ कि जब तक सीता वनवास में रहेंगी तो हनुमान जी उनके सेवक और दूत बनकर उनके पास रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

टला हादसा

लखनऊ-चंडीगढ़ एक्सप्रेस के पहिये में चिंगारी से उठा धुआं, कई यात्री चलती ट्रेन से कूदे, चोटिल

बिजनौर (एजेंसी)। लखनऊ से चलकर चंडीगढ़ जा रही एक्सप्रेस में चंदक रेलवे स्टेशन पर अचानक पहियों में चिंगारियां उठी और धुआं धुआं हो गया। पहियों से निकला धुआं कोच में भरने लगा

तो यात्रियों में आग लगने की दहशत फैल गई। घबराए यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। बताया गया कि अभी ट्रेन रुकी भी नहीं थी कि धीमी होते ही यात्री ट्रेन से कूदने लगे। ऐसे में कई यात्री चोटिल हुए हैं। ट्रेन में आग लगने की अफवाह पर अफरा तफरी का माहौल हो गया।

टीएमसी ने बंगाल में विधानसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की

4 सीटों पर 10 जुलाई को वोटिंग

पश्चिम बंगाल (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा उपचुनाव के लिए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। राज्य की चार विधानसभा सीटों पर 10 जुलाई को वोटिंग होगी। टीएमसी ने रायगंज सीट से कृष्णा कल्याणी और राणाघाट-दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र से मुकुट मणि अधिकारी को उम्मीदवार बनाया है। पूर्व टीएमसी विधायक साधन पांडे की विधवा सुप्ति पांडे को कोलकाता की मानिकतला सीट से मैदान में उतारा गया है, जबकि मधुपर्णा ठाकुर को मटुआ बहुल बागदा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है।

म.प्र.मंदिर में गोवंश का सिर फेंकने वालों के घर ढहाए

- पुलिस ने भीड़ पर छोड़े आंसू गैस के गोले; लोगों ने थाना घेरा

बोले-आरोपियों का जुलूस निकालो

रतलाम (म.प्र.) (एजेंसी)। रतलाम के जावरा के जागनाथ मंदिर परिसर में गोवंश का कटा सिर मिला है। शुक्रवार तड़के पुजारी मंदिर पहुंचे तो सिर देखकर लोगों व पुलिस को सूचना दी। इस घटना से नाराज हिंदू संगठनों ने जावरा को शांतिपूर्ण ढंग से बंद कराया। इसके बाद फोरलेन पर चक्काजाम कर दिया। शहर में भारी पुलिस बल तैनात था।

हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन होंगी झारखंड की डिप्टी सीएम? प्रदेश में सियासी हलचल तेज

रांची। झारखंड में सियासी हलचल तेज है। कांग्रेस ने हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन को डिप्टी सीएम बनाने की मांग कर दी है। जामताड़ा से कांग्रेस के विधायक इरफान अंसारी ने यह मांग उठाई है। उनका कहना है कि इससे बेहतर संदेश जाएगा। हालांकि इस मांग पर सत्तारूढ़ झामुमो की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। ऐसे में अटकलबाजी का दौर जारी है।

शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने में जुनून एवं समर्पण के साथ कार्य करें : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने पुस्तक मेले का किया शुभारंभ

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि रीवा जिले में शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने में अधिकारी व शिक्षक जुनून एवं समर्पण के साथ कार्य करें तथा संस्कार युक्त शिक्षा दें। उन्होंने कहा कि पुस्तक मेले का आयोजन विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के लिये लाभप्रद है क्योंकि एक ही छत के नीचे विभिन्न विक्रेताओं द्वारा लगाये गये स्टाल में सभी स्कूलों की किताबें, ड्रेस व अन्य स्टेशनरी सामग्री गुणवत्ता से किफायती दर पर उपलब्ध हो रही है। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा में तीन दिवसीय पुस्तक मेले का शुभारंभ किया।

जल गंगा संवर्धन अभियान में सहभागिता की अपील की- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि रीवा को अधोसंरचना विकास के कार्यों के साथ-साथ शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में उच्चतम स्तर तक ले जाने के सभी प्रयास तेजी से जारी है। जिले में सीएम राइज विद्यालयों की स्थापना इसी दिशा में किये जा रहे प्रयास हैं। उन्होंने जल संरक्षण एवं पुराने जल स्त्रोतों के पुर्नजीवन के लिये संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान में सभी से सहभागिता तथा वृक्षारोपण कार्य कर इन्हें सहेजने के लिए तत्पर रहने की अपील की।

कार्यक्रम में प्रभारी कलेक्टर डॉ. सौरभ सोनवणे, नगर पालिक निगम श्री व्यंकटेश पाण्डेय, प्राचार्य सीएम राइज श्री वरूणेन्द्र प्रताप सिंह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी व अभिभावक तथा विक्रेता उपस्थित रहे।

फिल्म समीक्षक संजय तराणेकर सम्मानित

इंदौर। जाल सभागृह के खचाखच भरे हॉल में देव आनंद पर आधारित कार्यक्रम 'जीवन की बगिया महकेगी' प्रोफेसर अनीस शेख की संस्था 'सबरंग', सेंधवा द्वारा आयोजित किया गया। सुमधुर गीतों से सजी इस रंगारंग शाम में स्थापित गायक कलाकारों आलोक साकल्ले, मोना, पूर्णिमा होल्कर, संध्या, अनामिका, आफ़ताब आलम के अलावा नवोदित गायकों पलक जायसवाल, ज्ञान सिँह व राहुल शर्मा को भी मंच प्रदान किया गया। इस दरमियान शहर के कुछ विशिष्ट व्यक्तियों का सम्मान भी किया गया। जिनमें पॉवर लिफ्टर सपना खत्री, सेक्सोफोन प्लेयर नीलम पांडे, लेखक व फ़िल्म समीक्षक संजय एम. तराणेकर, महूँ सांस्कृतिक मंच के दिनेश सोलंकी और मंजीत सिंह खालसा को ट्रॉफी देकर इन्हें सम्मानित किया गया। संगीत हेमेंद्र महावर की टीम ने दिया। कार्यक्रम के संयोजक अनीस शेख ने सूत्र संचालन का दायित्व भी निभाया।

उपचुनाव के लिए नामांकन आज से भरे जाएंगे

अमरवाड़ा विधानसभा में चुनाव के लिए जमा होना है फार्म

भोपाल (नप्र)। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के गढ़ छिंदवाड़ा जिले से कांग्रेस विधायक के इस्तीफे के बाद रिक्त हुई अमरवाड़ा विधानसभा सीट के लिए शुक्रवार से नामांकन जमा किए जाएंगे। इसके लिए जिला निर्वाचन अधिकारी शीलेंद्र सिंह ने चुनाव आयोग के निर्देश के आधार पर चुनावी व्यवस्था लागू कर दी है। वहीं, गुरुवार रात भाजपा ने कमलेश शाह को प्रत्याशी घोषित कर दिया। छिंदवाड़ा जिले की अमरवाड़ा विधानसभा से कांग्रेस विधायक कमलेश शाह ने 29 मार्च को बीजेपी जॉइन की थी। कांग्रेस विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद इस सीट पर चुनाव के लिए चुनाव आयोग ने 14 जून से 21 जून तक नामांकन भरने का समय तय किया है। नामांकन पत्रों की जांच का काम 24 जून को होगा और 26 जून तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। इसके 15 दिन बाद 10 जुलाई को अमरवाड़ा विधानसभा सीट पर वोटिंग होगी।

शायर अभय को श्रद्धांजलि देने जुटा भोपाल

भोपाल। बीते 9 जून की रात भोपाल शहर ने लेखन की दुनिया का अपना एक चमकता सितारा खो दिया। सुपरिचित युवा शायर और छतनारा टीम के कोर मेम्बर, अभय शुक्ला, नर्मदा अस्पताल में एक महीने की लम्बी लड़ाई लड़ते हुए गुजर गये। अभय मप्र उर्दू अकादमी द्वारा तलाश ए जौहर से पुरस्कृत थे। मप्र हिंदी साहित्य सम्मेलन ने भी उनकी ग़ज़लों को पुनर्नवा पुरस्कार से नवाज़ा था। छतनारा संस्था ने जश्न ए बशीर अभय की परिकल्पना पर किया था। शुक्रवार शाम दुष्यंत कुमार संग्रहालय में अभय को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु छतनारा द्वारा एक कार्यक्रम रखा गया था। श्रद्धांजलि में हर उम्र के कलाकार, अभय के मित्र और छात्र मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन कवि निशांत उपाध्याय कर रहे थे। उन्होंने अभय की एक ग़ज़ल के कुछ शेर पढ़ते हुए शाम की शुरुआत की जिसके बाद अभय की तस्वीर के आगे दीप प्रज्जवलन हुआ और दो मिनट का मौन रखा गया। कई वरिष्ठ कलाकारों, अफसरों और मित्रों ने अभय के बारे में कुछ शब्द कहे। मप्र उर्दू अकादमी की निदेशिका नुसरत मेहदी ने कहा कि अभय ना सिर्फ एक प्रतिभावन शायर बल्कि एक प्यारा इंसान भी था। जीएसटी उपायुक्त रक्षा दुबे ने कहा कि अभय जैसे सुदर्शन बालक कभी कभी ही देखने को मिलते हैं। अभय की ग़ज़लों को भी मंच से पढ़ा गया। गायक युवराज पूरिया ने अभय की कुछ ग़ज़लों की संगीतबद्ध प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में भोपाल से ही नहीं बल्कि इंदौर, देवास, सतना, रीवा, दिल्ली, चंडीगढ़ से कलाकार शामिल हुए। छतनारा की फाउंडर मोहिनी शर्मा ने कहा कि छतनारा जल्द और ही अभय की ग़ज़लों की किताब लेकर आएगा।

बड़े तालाब में 'शिकारा' आज से शुरु

12 घंटे चलेगा 'शिकारा' एक राउंड में 2.3 किमी चलेगा ; डल झील की तर्ज पर सजाया था

विधायक सबनानी, महापौर की उपस्थिति में हुआ शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बड़ा तालाब में शुक्रवार से 'शिकारा' चलने लगा है। यह श्रीनगर की डल झील जैसा बना है। शुक्रवार को विधायक भगवानदास सबनानी, महापौर मालती राय, एमआईसी मेंबर रविंद्र यति समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने इसकी शुरुआत की। सभी शिकारे में भी बैठे।

नगर निगम ने रजिस्टर्ड मछुआरे से एक शिकारा तैयार कराया है। नाव को शिकारे की तर्ज पर सजाया गया है। यह प्रयोग सफल रहा तो अगले एक महीने में एक-दो शिकारे और पानी में उतारे जाएंगे। 10 सीटर बोट को सुबह 7 से शाम 7 बजे तक चलाया जाएगा। प्रति व्यक्ति किराया करीब 150 रुपए होगा। वहीं, यह 2.3 किलोमीटर का राउंड लगाएगा। ऐसे में यह बीच में स्थित टापू के करीब भी पहुंचेगा।

एमआईसी मेंबर यति ने बताया, श्रीनगर की डल झील में ऐसे ही शिकारे चलते हैं। चूंकि, भोपाल में मध्यप्रदेश-देश के कई हिस्सों से पर्यटक आते हैं। वहीं, स्थानीय स्तर पर भी हजारों लोग बोट क्लब में घूमने जाते हैं, इसलिए शिकारा चलाने की पहल की गई है। बता दें कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने करीब 10 महीने, 12 सितंबर को क्रूज और मोटर बोट पर रोक लगा दी थी। इसके बाद सामान्य बोट ही चलाई जा रही थी।

एनजीटी ने यह दिए थे आदेश- पिछले साल भोज वेटलैंड (बड़ा तालाब), नर्मदा समेत प्रदेश के किसी भी वाटर बॉडीज में क्रूज और मोटर बोट के संचालन पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने रोक लगा दी थी। एनजीटी ने इसे अवैध गतिविधि ठहराते हुए बड़ा तालाब में क्रूज का संचालन बंद करने के आदेश दिए थे। आदेश में कहा गया था कि डीजल और डीजल इंजन से निकलने वाले उत्सर्जन को इंसानों समेत जलीय जीवों के लिए खतरा है, क्योंकि इससे उत्सर्जित सल्फर और नाइट्रोजन ऑक्साइड पानी को एसिडिक बना देता है। यह इंसानों और जलीय जीवों दोनों के लिए कैंसरकारी है। भोज वैटलेंड के लिए जारी यह आदेश नर्मदा नदी समेत प्रदेश की सभी प्रकार की वेटलैंड पर लागू हो गया था।

तभी से बंद 'लेक प्रिंसेस' क्रूज और 'जलपरी'- भोपाल के बड़ा तालाब में एनजीटी के आदेश के बाद से ही 'लेक प्रिंसेस' क्रूज और 'जलपरी' मोटरबोट बंद कर दी गई थी। पर्यटन विकास निगम ने क्रूज और जलपरी के साथ करीब 20 मोटर बोट का संचालन भी नहीं किया।

वडोदरा में मुस्लिम महिला को फ्लैट दिए जाने का विरोध

- लोग बोले- सोसायटी में 461 हिन्दू परिवार रहते हैं, दूसरे धर्म के लोग स्वीकार नहीं

वडोदरा (एजेंसी)। गुजरात के वडोदरा शहर स्थित हरणी के एक रेसिडेंशियल कॉम्प्लेक्स में लोगों ने मुस्लिम महिला को फ्लैट देने का विरोध किया है। मामला मोटनाथ रेजीडेंसी कोऑपरेटिव हाउसिंग सर्विसेज सोसाइटी लिमिटेड का है। यहां रहने वाले 33 लोगों ने कलेक्टर को आवेदन देकर महिला का अलोटमेंट कैंसल करने की मांग की है।

दर असल, वडोदरा म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन ने हरणी में मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत 2017 में 462 फ्लैट्स बनाए थे। इनमें 461 फ्लैट में हिन्दू परिवार रहते हैं। 44 साल की मुस्लिम महिला कौशल विकास विभाग में काम करती है। वह अकेली मुस्लिम है, जिसे सोसायटी में फ्लैट मिला है।

सोसायटी वालों के कहा है कि हरणी हिंदुओं का इलाका है। यहां लगभग चार किलोमीटर के दायरे में मुस्लिमों की एक भी बस्ती नहीं है। ऐसे में अगर किसी मुस्लिम महिला को यहां घर दिया गया, तो यह हमारी जिंदगी में आग लगाने जैसा होगा।

राम मंदिर को उड़ाने की धमकी के बाद बढ़ाई गई अयोध्या की सुरक्षा

एसएसपी ने किया निरीक्षण

अयोध्या (एजेंसी)। आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद की ओर से राम मंदिर को उड़ाने की धमकी दिए जाने के बाद अयोध्या अलर्ट मोड पर आ गई है। राम मंदिर में निगरानी बढ़ा दी गई है। राम मंदिर समेत महत्वपूर्ण स्थलों की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट की भी सुरक्षा में इजाफा किया गया है।

एसएसपी राजकरण नय्यर ने शुक्रवार को महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि अयोध्या धाम की सुरक्षा पहले से ही कड़ी है। यहां की सुरक्षा व्यवस्था को विभिन्न क्षेत्रों में विभाजित करते हुए सीनियर राजपत्रित अधिकारी के नेतृत्व में टीमों का गठन किया गया है। विभिन्न जोन में सुरक्षाकर्मी पहले से ही तैनात हैं। जिला पुलिस के अलावा पीएसी की भी कई कंपनियां प्राप्त हुई हैं। पीएसी को लगाकर सुरक्षा की जा रही है।

कश्मीर के गंदेरबल में खीर भवानी मेला शुरू, पूरे जिले में सुरक्षा बढ़ाई गई

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर के गंदेरबल जिले के तुलमुल्ला में खीर भवानी मेला शुरू हो गया है। बड़ी तादाद में कश्मीरी पंडित मेले में शामिल होने के लिए पहुंच रहे हैं। इसको ध्यान में रखते

हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। मंदिर के आसपास सहित पूरे जिले में सुरक्षाबलों की तैनाती है। खीर भवानी मंदिर को कश्मीर के हिंदू-मुस्लिम भाईचारे का प्रतीक भी माना जाता है। मंदिर परिसर के आसपास रहने वाले स्थानीय मुसलमान कश्मीरी पंडित भक्तों के आगमन पर उन्हें मिट्टी के बर्तनों में दूध परोसते हैं।

आम आदमी को लगा झटका!

- थोक महंगाई में हुआ इजाफा, 15 महीनों में सबसे ज्यादा बढ़ी • खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। मई में थोक महंगाई बढ़कर 15 महीनों के ऊपरी स्तर पर पहुंच गई है। आज यानी 14 जून को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार मई में थोक महंगाई बढ़कर 2.61 प्रतिशत पर पहुंच गई है। फरवरी 2023 में थोक महंगाई दर 3.85 प्रतिशत रही थी।

वहीं अप्रैल 2024 में महंगाई 1.26 प्रतिशत रही थी, जो 13 महीने का उच्चतम स्तर था। इससे एक महीने पहले मार्च 2024 में ये 0.53 प्रतिशत रही थी। फरवरी में थोक महंगाई 0.20 प्रतिशत रही थी। उधर, बुधवार को रिटेल महंगाई में गिरावट देखने को मिली थी।

मई में खाद्य महंगाई दर 1.88 प्रतिशत बढ़ी

- खाद्य महंगाई दर अप्रैल के मुकाबले 5.52 प्रतिशत से बढ़कर 7.40 प्रतिशत हो गई।
- रोजाना की जरूरत वाले सामानों की महंगाई दर 5.01 प्रतिशत से बढ़कर 7.20 प्रतिशत हो गई।
- फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर 1.38 प्रतिशत से घटकर 1.35 प्रतिशत रही।
- मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर -0.42 प्रतिशत से बढ़कर 0.78 प्रतिशत रही।

महापौर ने किया ईको ग्रीन सिटी कॉलोनी का निरीक्षण

रहवासियों ने गिनाई समस्याएं, राय ने दिए नाले और सीवेज लाइन की सफाई के निर्देश

भोपाल (नप्र)। महापौर मालती राय ने शुक्रवार को नगर निगम के जोन क्रमांक-16 के अंतर्गत वार्ड-74 की ईको ग्रीन सिटी कॉलोनी का निरीक्षण किया। कॉलोनी पहुंचीं महापौर को स्थानीय रहवासियों ने

कई समस्याएं बताईं और उनका निराकरण करने की मांग की। रहवासियों ने बताया कि बारिश में कॉलोनी में पानी भर जाता है, तो सीवेज लाइन भी जाम होने और पानी का बल्क कनेक्शन नहीं मिलने की समस्याएं गिनाईं।

महापौर ने मौके पर मौजूद नगर निगम के उपायुक्त योगेंद्र सिंह पटेल, कार्यपालन यंत्री एसके राजेश को सीवेज लाइन की सफाई कराने, पानी का बल्क कनेक्शन देने और कॉलोनी में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो, इसलिए समीप बहने वाले नाले की सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान नाले पर नजर भी रखें, ताकि उफान पर आने के बाद कॉलोनी में पानी न भरे। महापौर ने नाले का भी निरीक्षण किया।

एमपी कैडर के नौ आईएएस केंद्र में इम्पैनल

छह अधिकारी पहले से डेपुटेशन पर एमपी से हैं बाहर, तीन अफसर जा सकते हैं दिल्ली

भोपाल (नप्र)। एमपी कैडर के नौ आईएएस अधिकारियों को केंद्र सरकार ने ज्वाइंट सेक्रेट्री के पद के लिए इम्पैनल किया है। इनमें से छह आईएएस पहले से ही केंद्र में सेवाएं दे रहे हैं। ऐसे में एमपी में सेवाएं दे रहे शेष बचे तीन अधिकारी जल्द ही केंद्र में सेवाएं देने के लिए प्रतिनियुक्ति पर जा सकते हैं। उधर इस नए इम्पैनलमेंट के बाद केंद्र सरकार और केंद्र के आदेश के माध्यम से दूसरे राज्यों में सेवाएं दे रहे आईएएस अफसरों की संख्या 40 तक पहुंच गई है।

केंद्रीय कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी किए गए नए इम्पैनल आदेश में 2008 बैच के एमपी कैडर के जिन अधिकारियों को केंद्र में ज्वाइंट सेक्रेट्री के पद पर इम्पैनल किया गया है उनमें छवि भारद्वाज, नंदकुमारम, विश्वनाथन एस, जेपी आईरिन सिंथिया, कृष्ण गोपाल तिवारी, सिबि चक्रवर्ती एम, विशेष गढ़पाले, वी किरण गोपाल, सुरभि गुप्ता के नाम शामिल हैं। डीओपीटी ने इसके आदेश 13 जून को जारी किए हैं जिसमें 64 अधिकारी शामिल हैं और इसमें एमपी के 9 आईएएस अधिकारियों के नाम हैं।

ये पहले से केंद्र के आदेश पर प्रतिनियुक्ति पर हैं पदस्थ- जिन अधिकारियों को केंद्र में ज्वाइंट सेक्रेट्री पद पर इम्पैनल किया गया है उनमें छवि भारद्वाज, नंदकुमारम, विश्वनाथन एस, आईरिन सिंथिया जेपी, विशेष गढ़पाले पहले से ही केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर हैं। छवि भारद्वाज और नंदकुमारम एलबीएसएनएए मसूरी में उप संचालक पद पर पदस्थ हैं।

कल भोपाल आएंगे म.प्र.के सभी केंद्रीय मंत्री

शिवराज, सिंधिया, खटीक, मुरुगन, उईके और सावित्री का भाजपा ऑफिस में होगा स्वागत

भोपाल (नप्र)। नरेंद्र मोदी की कैबिनेट में मध्यप्रदेश के 6 सांसदों को बतौर मंत्री जगह मिली है। केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान, टेलिकॉम व नॉर्थ ईस्ट रीजन डेवलपमेंट मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार के साथ ही जनजातीय कार्य राज्यमंत्री दुर्गादास उईके, महिला बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर और सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री और एमपी से राज्यसभा सांसद एल मुरुगन भोपाल आएंगे।

बीजेपी ऑफिस में होगा स्वागत- बीजेपी के प्रदेश महामंत्री और विधायक भगवानदास सबनानी ने बताया कि प्रदेश को केंद्र सरकार में 6 मंत्री मिले हैं। मप्र के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने केंद्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है। प्रदेश अध्यक्ष की ओर से सभी प्रदेश पदाधिकारियों, प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों को पत्र लिखा है। 16 जून को शाम 5 बजे प्रदेश भाजपा कार्यालय में मप्र से मंत्री बने सभी 6 सांसदों का स्वागत किया है।

शताब्दी एक्सप्रेस से भोपाल पहुंचेंगे शिवराज- केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री बनने के बाद पहली बार शिवराज सिंह चौहान रविवार 16 जून को भोपाल पहुंचेंगे।

भोपाल में 150 सिटी बसें नहीं दौड़ी

पीएफ की राशि को लेकर ड्राइवर-कंडक्टर ने नहीं चलाई; बीसीएलएल कंपनी को देगी नोटिस

भोपाल (नप्र)। भोपाल में शुक्रवार को करीब डेढ़ सौ सिटी बसें नहीं दौड़ी। पीएफ की राशि जमा नहीं होने पर ड्राइवर और कंडक्टरों ने बसों का संचालन नहीं किया। इससे यात्रियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं, क्योंकि कई रूट पर उन्हें बसों का आधे घंटे तक इंतजार करना पड़ा। इधर, पीएफ की राशि को लेकर ही भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड बस कंपनी मां एसोसिएट को नोटिस देगी।

भोपाल सिटी यान चालक-परिचालक ट्रेड यूनियन इंटक भोपाल के बैनरतले ड्राइवर और कंडक्टर्स ने शुक्रवार को बाग मुगालिया स्थित सिटी बस डिपो में प्रदर्शन भी किया। उनका कहना है कि संबंधित बस कंपनी ने

करीब 14 महीने की पीएफ राशि जमा नहीं कराई है। यह अमानत में खयानत का मामला है। इसलिए तुरंत राशि दी जाए। इसके बाद ही बसें चलाएंगे।

एक दिन में डेढ़ लाख यात्री करते हैं सफर- भोपाल में सिटी बसों में एक दिन में डेढ़ लाख से ज्यादा लोग सफर करते हैं। इनमें 40 प्रतिशत तक यानी, करीब 60 हजार महिला यात्री शामिल हैं। नौकरीपेशा के अलावा स्टूडेंट्स भी बसों से आना-जाना करते हैं। किराये के रूप में उन्हें न्यूनतम 7 और अधिकतम 42 रुपए लगते हैं। सभी बसों में जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम और कैमरे लगे हैं। सफर करते समय कोई भी शिकायत हो तो महिलाएं कॉल सेंटर नंबर- 9752399966 पर संपर्क कर सकती हैं।

कई रूट पर बसों का लंबा इंतजार

भोपाल में कुल 368 सिटी बसें दौड़ती हैं। इनमें से आधी बसें नहीं चलने से कई रूट पर यात्रियों की मुश्किलें बढ़ गईं। वे बसों का इंतजार करते रहे। आधे घंटे के अंतराल में बस मिल सकी। उधर, डिपो में ड्राइवर और कंडक्टर्स ने प्रदर्शन भी किया।

बीसीएलएल नोटिस देकर जवाब मांगेंगी

इस मामले में बीसीएलएल मां एसोसिएट बस कंपनी को नोटिस देकर जवाब मांगेंगी। अफसरों का कहना है कि ड्राइवर और कंडक्टर्स की पीएफ राशि जमा कराना अनिवार्य है। राशि जमा नहीं कराना गलत है। इसलिए बस कंपनी को नोटिस देकर जवाब मांगा जाएगा।

24 रूट पर दौड़ती हैं बसें

भोपाल के 25 रूट पर कुल 368 बसें चलती हैं। ये बसें शहर के सभी एरिया को कवर करती हैं। बैरागढ़ के पास चिरायु हॉस्पिटल से लेकर अवधपुरी, न्यू मार्केट, अयोध्या बायपास, करोंद, एमपी नगर, मिसरोद, मंडीदीप, भोजपुर, होशंगाबाद रोड, कटारा हिल्स, बैरागढ़ चिचली, कोलार रोड, गांधीनगर, बंगरसिया, रायसेन रोड, लांबाखेड़ा, नारियलखेड़ा, भौंरी समेत अधिकांश शहरी इलाकों में चलती है।

रिश्वत लेन-देन में एनएचएआई डायरेक्टर समेत 7 की रिमांड बढ़ी

प्रोजेक्ट एनओसी के लिए मांगे थे 10 लाख रुपए

भोपाल (नप्र)। सीबीआई ने नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) के छतरपुर के प्रोजेक्ट डायरेक्टर समेत 7 लोगों को 9 जून को गिरफ्तार किया था। सभी को चार दिन का रिमांड खत्म होने के बाद शुक्रवार को भोपाल कोर्ट में पेश किया गया। जहां सीबीआई ने कोर्ट से आरोपियों की 18 जून तक रिमांड मांगी। इसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया। सीबीआई मंगलवार को दोबारा रिमांड खत्म होने पर आरोपियों को कोर्ट में पेश करेगी।

सीबीआई की एंटी करप्शन यूनिट-3 के अफसरों ने बताया कि नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के झांसी-खजुराहो हाईवे प्रोजेक्ट के डायरेक्टर पुरुषोत्तम लाल चौधरी ने प्रोजेक्ट के स्वामित्व परिवर्तन और इसकी एनओसी जारी करने 10 लाख रुपए की रिश्वत ली थी।

इस मामले में सीबीआई ने प्रोजेक्ट डायरेक्टर चौधरी और एनएचएआई कंसल्टेंट शरद प्रकाश वर्मा को रविवार को रिश्वत लेते छतरपुर स्थित एनएचएआई दफ्तर में गिरफ्तार किया था। इसके अलावा सीबीआई ने पीएनसी इंफ्राटेक के कर्मचारी बृजेश मिश्रा, शुभम जैन, अनिल जैन, सत्यनारायण अंगूलरी और प्रेम कुमार सिन्हा को गिरफ्तार किया है।

8 जून को सीबीआई ने दर्ज किया था केस- सीबीआई की एंटी करप्शन टीम

ने 8 जून को झांसी-खजुराहो हाईवे प्रोजेक्ट के डायरेक्टर पुरुषोत्तम लाल चौधरी सहित 10 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इनमें से 7 आरोपियों को सीबीआई गिरफ्तार कर चुकी है। जबकि अन्य की गिरफ्तारी के लिए सीबीआई की टीम आरोपियों के ठिकानों पर दबिश दे रही है।

एनएचएआई कार्यालय में भी पहुंची थी टीम

सीबीआई की टीम रविवार को एनएचएआई डायरेक्टर को साथ लेकर उनके कार्यालय भी पहुंची। यहां से प्रमुख फाइलों की जांच करने के बाद उन्हें जब्त कर लिया था। बाद में उन्हीं की निशानदेही पर सड़क निर्माण करने वाली पीएनसी कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर ब्रजेश मिश्रा को भी गिरफ्तार किया था। इसके बाद एनएचएआई और पीएनसी से जुड़े बाकी लोगों को भी पकड़ा गया था।

एनएचएआई के यह अफसर गिरफ्तार

1 . पुरुषोत्तम लाल चौधरी, जनरल मैनेजर एवं प्रोजेक्ट डायरेक्टर, झांसी-खजुराहो हाईवे 2 . शरद प्रकाश वर्मा, कंसल्टेंट एनएचआईए , झांसी-खजुराहो हाईवे प्रोजेक्ट

पीएनसी इंफ्राटेक लिमिटेड के गिरफ्तार कर्मचारी

1 . बृजेश मिश्रा 2 . शुभम जैन 3 . अनिल जैन 4. सत्यनारायण अंगूलरी 5 . प्रेम कुमार सिन्हा, रेसीडेंट इंजीनियर, झांसी-खजुराहो हाईवे प्रोजेक्ट

यूपी से सांसद के भाई की कंपनी है पीएनसी इंफ्रा लिमिटेड

रिश्वत के मामले में पीएनसी इंफ्रा लिमिटेड से जुड़े जिन लोगों को सीबीआई ने गिरफ्तार किया है। वह कंपनी यूपी से राज्यसभा सांसद नवीन जैन के भाई की कंपनी है। भाजपा से राज्यसभा सांसद नवीन जैन के बड़े भाई प्रदीप कुमार जैन, पीएनसी इंफ्राटेक लिमिटेड में अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के पद पर हैं।

बताया जा रहा है कि सीबीआई ने इस मामले में गिरफ्तार 7 लोगों समेत जिन 10 लोगों पर एफआरआई की है। उनमें पीएनसी इंफ्रा लिमिटेड के निदेशक योगेश जैन और टीआर राव भी नामजद हैं।

सीबीआई ने डिजिटल डिवाइस भी किए जब्त

सीबीआई ने आरोपियों से जुड़े छतरपुर (मध्य प्रदेश), लखनऊ, कानपुर, आगरा एवं गुरुग्राम (हरियाणा) स्थित परिसरों पर भी छापा मारा। इस दौरान डिजिटल डिवाइस समेत आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए हैं।

कैंपस के बकाया बिल की नए कनेक्शन से होगी वसूली

ऊर्जा विभाग ने जारी किए आदेश ; सशर्त मिलेगा इंडिविजुअल कनेक्शन

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश सरकार ने नए कनेक्शन देने के लिए बकाया बिजली बिलों की वसूली का फॉर्मूला तैयार किया है। जिसमें किसी कैंपस में रहने वाले व्यक्ति के बकाया बिल की वसूली कैंपस में नया कनेक्शन लेने वाले बिजली उपभोक्ता से की जाएगी। ऊर्जा विभाग ने नए फॉर्मूले को लागू करने का आदेश भी जारी कर दिया है। जिसमें कहा है कि अगर किसी कैंपस में कुछ लोगों ने बिजली बिल जमा नहीं किया है तो बिजली कंपनी संबंधित कैंपस में नए कनेक्शन के लिए आवेदन करने वाले उपभोक्ता द्वारा राशि जमा करने पर ही नया कनेक्शन देगी। यह राशि समानुपातिक होगी। यानी 30 हजार बकाया है कि एक कनेक्शन लेने वाले को 15 हजार रुपए और बकाया राशि वालों को 15 हजार रुपए देने होंगे।

स्मरण हबीब: 20वां रंग आलाप नाट्य महोत्सव

हम थियेटर ग्रुप द्वारा आयोजित रंग आलाप नाट्य समारोह के समापन पर मंचित हुआ लाला हरदौल

भोपाल। त्याग, तपस्या, देश प्रेम और सत्य पर अडिग रहने की सीख देते हैं लाला हरदौल। जन-जन में प्रिय हरदौल ऐसे जन नायक की कथा है जिन्होंने उंच-नीच की खाई को पाटा और बुंदेलखंड की एकता अखंडता को मजबूती प्रदान की। रिश्तों की आन-बान के लिए त्याग की प्रतिमूर्ति बनकर स्वयं विष-पान कर हमेशा-हमेशा के लिए अमर हो गए। स्मरण हबीब, रंग आलाप नाट्य महोत्सव के समापन की शाम समारोह की मेजबानी कर रहे हम थियेटर ग्रुप की प्रस्तुति लाला हरदौल ऐसे ही जन नायक की कहानी है। जिसे रचा गया है कोमल कल्याण जैन द्वारा। निर्देशन किया बालेन्द्र सिंह ने। संस्कृति मंत्रालय नई दिल्ली और मप्र संस्कृति संचालनालय के सहयोग से इस नाट्य समारोह को आयोजित किया जा रहा था।

निर्देशकीय- लाला हरदौल बुंदेलखंड के लोकनायक हैं। मैंने उनके जीवन वृत्त पर इस नाटक को तैयार किया है। इस नाटक में आपको देवर-भाभी के पवित्र संबंध एवं रैयत में हरदौल का यश, मुग़लों के खिलाफ कटिबद्धता, शाहजहाँ की सत्ता लोलुप प्रवृत्ति, पहाड़ सिंह की जलन एवं हरदौल का विष पान इस नाटक के प्रमुख बिन्दु हैं। हरदौल बुंदेलखंड के ऐसे लोकनायक हैं जिन्होंने ऊंच नीच की खाई को पाटा, बुंदेलखंड की एकता को सुदृढ़ किया एवं आज़ादी के लिए प्राणपण से मरने के लिए कटिबद्ध बने रहे, लेकिन अपने बड़े भाई की जलन के कारण उन्हें समय से पहले ही मृत्यु का वरण करना पड़ा। किन्तु मरने के बाद लाला हरदौल अमर हो गए और जन-जन के मन में बस गए। प्रचलित कथा ये भी है कि हरदौल ने मरने के बाद अपनी भांजी की शादी में भात पैराया। आज भी लाला हरदौल कई प्रांतों में पूजनीय हैं। गीत, संगीत एवं नृत्य से भरपूर यह नाटक आज हमें कुछ सीख देता है। इस नाटक में लगभग 25 कलाकार हैं जिन्होंने अपने अभिनय से इस नाटक को निखारा है।

लाला हरदौल कास्ट एंड क्रेडिट मंच पर

कोरस : संतोष, भगवत दयाल, दीपक, आदित्य, मुकेश, मनोज
लाडकुवर : सीमा मोरे
रंगीली : खुशबू चौबितकर
चम्पावती : रंजना तिवारी
हिमांचला : जूली प्रिया
जुझार सिंह : अजय श्रीवास्तव
हरदौल : संतोष सुमन
धर्मदास : आदित्य तिवारी
पहाड़ सिंह : बालेन्द्र सिंह
मित्र मंडली : मुकेश पाचौड़े, पार्थ सिंह, अंश द्विवेदी, आकाश राय
रघुवीर : जे.पी.मिश्रा
सांवलाडोम : भगवत दयाल कुशवाह
जमींदार एक : दीपक तिवारी
जमींदार दो : यतींद्र अत्रे
बेवा : वंदना अत्रे
हिदायत खां : मिलन सिंह रावत/अजय श्रीवास्तव
दूत(पहाड़ सिंह) : मुकेश पाचौड़े
शाहजहां : मनोज रावत
मेहंदी हसन : दीपक तिवारी/भरत सिंह बमनेले
दो सिपाही : आकाश, अनिकेत
नर्तकी : सोनू साहा
द्वारपाल : अंश द्विवेदी
गुप्तचर : आदित्य तिवारी
स्त्री समूह : खुशबू, सीमा, जूली प्रिया, सिमरन, जया

मंच परे

मंच व्यवस्थापक : मुकेश पचोड़े
वेशभूषा/प्रॉपर्टी : अशमी सिंह, बालेन्द्र सिंह
सहायक : कंचन, अनिकेत, अंश, आकाश
रूपसज्जा : सीमा मोरे
हारमोनियम : राजीव सिंह
ढोलक : जगदीश विश्वकर्मा, रवि राव
गीत : कोमल कल्याण जैन, देवी सिंह राजपूत, कमलेश दुबे
सह-निदेशक : अशमी सिंह
संगीत : रविलाल सांगड़े/रंजना तिवारी
प्रकाश परिकल्पना : कमल जैन
लेखक : कोमल कल्याण जैन
परिकल्पना एवं निर्देशन: बालेन्द्र सिंह
प्रस्तुति : हम थियेटर ग्रुप, भोपाल

नगरीय क्षेत्रों में 15 जुलाई से पौधरोपण अभियान

शहरी क्षेत्रों में 1.75 लाख पौधरोपण होगा

भोपाल (नप्र)। प्रदेश के सभी नगरीय क्षेत्रों में 15 जुलाई से 15 सितम्बर तक व्यापक पौधरोपण अभियान चलाया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पौधरोपण को बढ़ावा देने के निर्देश दिये हैं। इस उद्देश्य से नगरीय क्षेत्र में पूरे 2 माह पौधरोपण अभियान चलेगा। शहरी क्षेत्रों में एक करोड़ 75 लाख पौधों को रोपा जायेगा।

राज्य शासन ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग से सभी कलेक्टर्स को निर्देश जारी किये हैं। सभी जिला कलेक्टर के नेतृत्व में अन्य विभागों के साथ मिलकर पौधरोपण अभियान चलाया जाएगा। वर्षाकाल में अधिक से अधिक पौधरोपण करने के निर्देश दिये गये हैं।

नगर निगम इंदौर एवं भोपाल में 15-15 लाख, नगर निगम ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन में 10-10 लाख और शेष 11 नगर निगम में 5-5 लाख पौधे रोपे जायेंगे। इसी प्रकार एक लाख एवं इससे अधिक जनसंख्या की 17 नगर पालिकाओं में एक-एक लाख, एक लाख से कम जनसंख्या की 82 नगर पालिका में 15-15 हजार और 298 नगर परिषद में 10-10 हजार पौधे लगाये जायेंगे।

नगरीय निकायों द्वारा पौधरोपण का कार्य नगरीय निकाय की स्वयं की हरित क्षेत्र के लिये आरक्षित भूमि, अन्य शासकीय भूमि तथा निजी कॉलोनियों में हरित क्षेत्र के लिये आरक्षित भूमि में किया जाएगा। निजी कॉलोनियों में पौधरोपण जन-सहयोग से होगा। निकाय द्वारा पौधों की आपूर्ति नगरीय निकाय एवं वन विभाग की नर्सरी तथा स्थानीय रूप से उपलब्ध पौधों से की जायेगी।

अभियान में छायादार और औषधीय प्रजाति के पौधों का चयन करने को कहा गया है। सजावटी एवं हेज प्लांट का उपयोग नहीं होगा। निकायों द्वारा किये जाने वाले पौधरोपण की सुरक्षा का उचित प्रबंध करने को भी कहा गया है। निश्चित अंतराल एवं आवश्यकतानुसार पानी देने की व्यवस्था के भी निर्देश हैं। पौधों की निगरानी एवं रख-रखाव में निकाय द्वारा गैर सरकारी संस्थाओं और आम नागरिकों से सहयोग लेने की अपेक्षा की गई है।

पौधरोपण कार्य वन, उद्यानिकी तथा नगरीय निकाय के स्वयं की उद्यानिकी शाखा के तकनीकी मार्ग दर्शन में किया जायेगा। अभियान में स्मृति वन, नक्षत्र वन, संस्कृति वन विकसित करने को प्रोत्साहित करने को कहा गया है। निकायों द्वारा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट तथा सांइन्टिफिक लैंडफिल परिसर में पौधरोपण का कार्य अनिवार्य रूप से करने को कहा गया है। साथ ही जन-अभियान परिषद, स्वयंसेवी संस्थाओं, स्व-सहायता समूह, एनएसएस, एससीसी तथा स्कूल, कॉलेज के छात्र-छात्राओं को भी इस अभियान से जोड़ने के निर्देश दिये गये हैं।

वर्तमान में नगरीय निकायों में अमृत 2.0 योजना अंतर्गत हरित क्षेत्रों का विकास कार्य प्रचलित है। पौधरोपण अभियान में वित्तीय व्यवस्था अमृत 2.0 योजना अंतर्गत उपलब्ध राशि, नगरीय निकाय में उपलब्ध स्वयं के स्त्रोत से तथा जन-सहयोग से की जायेगी। इसके अलावा भी प्रति वर्ष नगरीय निकायों द्वारा वर्षाकाल पौधरोपण का कार्य किया जाता है।

क्रिस्प अब एनसीवीईटी-अफिलिएटेड डुअल अवार्डिंग बॉडी

भोपाल। क्रिस्प के लिए यह गौरव की बात है कि संस्थान को कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) (कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन) द्वारा अवार्डिंग बॉडी (एबी-डुअल) के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है। यह संबद्धता, 10 जून, 2024 को हस्ताक्षरित एक समझौते (एम.ओ.यू.) के माध्यम से डॉ. निर्मलजीत सिंह कलसी (अध्यक्ष एनसीवीईटी) और श्री अतुल कुमार तिवारी (सचिव एमएसडीई - भारत सरकार) की उपस्थिति में औपचारिक रूप से की गई।

इस मान्यता के साथ, क्रिस्प ने न केवल विभिन्न संगठनों, जिसमें सरकारी, निजी और कॉर्पोरेट शामिल हैं, के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की अपनी भूमिका का विस्तार किया है, बल्कि अब उम्मीदवारों और प्रशिक्षणार्थियों का मूल्यांकन और प्रमाणन भी कर सकेगा। यह कदम प्रदेश में व्यावसायिक शिक्षा और कौशल

विकास प्रशिक्षण को बढ़ाने के लिए क्रिस्प की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

क्रिस्प के अंतर्गत सभी कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा (एनएसक्यूएफ) मानदंडों का पालन करेंगे, जिससे यह सुनिश्चित किया जायेगा कि पाठ्यक्रम उद्योग प्रासंगिकता और रोजगार क्षमता के उच्चतम मानकों को पूर्ण करें साथ ही यह भी सुनिश्चित होगा कि पर्याप्त प्रशिक्षण और शिक्षण सामग्री उपलब्ध हो, जिसमें विविध शिक्षार्थी आधार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्थानीय भाषाओं में संसाधन शामिल हैं। प्रशिक्षण और कौशल शिक्षा पद्धति सैद्धांतिक ज्ञान, व्यावहारिक प्रशिक्षण और ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग (ओजेटी) का मिश्रण होगी, जिससे प्रशिक्षणार्थियों को सम्पूर्ण प्रशिक्षण का अनुभव प्राप्त हो सके।

क्रिस्प के निदेशक श्री अमोल वैद्य ने इस उपलब्धि के बारे में अपनी बात रखते हुए कहा कि, 'यह एनसीवीईटी द्वारा दी गई मान्यता क्रिस्प के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। एक अवार्डिंग बॉडी के रूप में, हम अब कौशल विकास और उद्योग की आवश्यकताओं के बीच की खाई को मिटाने के लिए निरंतर प्रयासरत है'।

एक अवार्डिंग बॉडी के रूप में क्रिस्प की बढ़ी हुई भूमिका आज की उद्योगों की गतिशील आवश्यकताओं को पूरा करने वाली कुशल कार्यबल को बढ़ावा देने के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

संपादकीय

कुवैत अग्निकांड : क्या हालात बदलेंगे ?

कुवैत के मंगाफ शहर में एक इमारत में लगी आग में 45 भारतीयों की मौत न सिर्फ दुखद है बल्कि इसने खाड़ी देशों में काम करने वाले भारतीय किन बदतर हालात में जी रहे हैं, इस कड़वी सच्चाई को भी उजागर कर दिया है। इस हादसे में मरने वाले में ज्यादातर केरल के हैं। इस हादसे के बाद कुवैत जाने को लेकर केन्द्र सरकार व राज्य की विजयन सरकार के बीच राजनीति भी हुई, यह भी अफसोसनाक है। मोदी सरकार ने विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्द्धन सिंह को वहां भेजा था, जिन्होंने मृतकों के शव भारत में उनके परिजनों को सौंपने की दिशा में अहम भूमिका निभाई। अग्निकांड में कई लोगों की मौत झुलसने और दम घुटने से हुई तो कुछ जान बचाने के लिए ऊंची इमारत से कूदने के चक्कर में जान गंवा बैठे। कुवैत अग्निकांड में मृत लोगों के शव वायु सेना के विशेष विमान से भारत लाए जा चुके हैं। उल्लेखनीय है कि कुवैत की कुल आबादी में 21 प्रतिशत यानी कि 10 लाख भारतीय हैं। वहां के कुल कामगारों में भारतीयों की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत यानी 9 लाख है। गौरतलब है कि दक्षिणी कुवैत के मंगाफ क्षेत्र में 13 जून को एक बहुमंजिला इमारत में भीषण आग लगने से 49 विदेशी मजदूरों की मौत हो गई और 50 अन्य घायल हो गए थे। कुवैत के प्रथम उप प्रधान मंत्री और रक्षामंत्री शेख फहद अल-यूसुफ अल-सबाह ने बताया था कि अधिकारियों ने 48 शवों की पहचान की है, जिनमें से 45 भारतीय और तीन नागरिक फिलिपींस के हैं। उन्होंने कहा था कि एक शेष शव की पहचान करने के प्रयास अभी भी जारी हैं। अधिकारियों ने बताया था कि हादसे में जान गंवाने वाले 23 भारतीय केरल से हैं। तमिलनाडु से सात, आंध्र प्रदेश में तीन, उत्तर प्रदेश, झारखंड और ओडिशा से दो-दो और बंगाल, बिहार, पंजाब, कर्नाटक, महाराष्ट्र और हरियाणा से एक-एक हैं, जिनकी मौत हुई है। ये सभी कुवैत में इंजीनियर, ड्राइवर, सुपरवाइजर व अन्य छोटे काम करके अपने घर चलाया करते थे। ये सभी कमाई के उद्देश्य से गए थे। उन्होंने शायद ही सोचा होगा कि स्वदेश उनके शव ही लौटेंगे। सभी मृतक कुवैत की सबसे बड़ी निर्माण कंपनी एनबीटीसी में काम करते थे। जिस इमारत में आग लगी, उसे एनबीटीसी ने किराए पर ले रखा था। इस कंपनी का मालिक भी केरल का ही है। सभी मृतकों को केरल हवाई अड्डे पर श्रद्धांजलि दी गई। साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रू. की सहायता देने की घोषणा की है। इस बीच कुवैत सरकार ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए बिल्डिंग के मालिक की गिरफ्तारी का आदेश दिया है। कुवैत के अमीर शेख मेशल अल-अहमद अल-जाबेर अल-सबह ने अधिकारियों को मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इस मामले में जो भी कार्रवाई होगी, वह अपनी जगह है, लेकिन कुवैत में विदेशी कर्मचारी और कारीगर किन हालात में रह रहे हैं, यह सामने आ गया है। बताया जाता है कि एनबीटीसी के जिन घरों में अन मजदूरों को रखा जाता था, वहां हालात बेहद अमानवीय हैं। मजदूरों को जानवरों की तरह ठूंसा जाता है। कामगारों को कोई विशेष सुविधाएं नहीं दी जाती। फिर भी लोग इसलिए वहां काम करते हैं कि कमाई अच्छी हो जाती है। जिस इमारत में आग लगी, वहां सुरक्षा के भी पूरे इंतजाम नहीं थे, वरना समय पर बचाव कार्य शुरू होता तो आग लगने के बाद भी कई जानें बचाई जा सकती थीं।

नजरिया

आर के सिन्हा

लेखक पूर्व सांसद हैं।

याद रखा जाना चाहिए शिशुओं का जलना

अभी एक महीना भी नहीं हुआ और देश की राजधानी में हुए एक दर्दनाक अग्निकांड को भुला दिया गया है। पिछली 25 मई को जिस दिन दिल्ली में लोकसभा चुनावों के लिए वोटिंग हुई थी उसी दिन ईस्ट दिल्ली के विवेक विहार के एक निजी अस्पताल में भीषण आग लगने के कारण सात नवजात शिशुओं की मौत हो गई थी। जैसा कि हमारे यहां होता आ रहा है- घटना के बाद नेताओं की तरफ से अफसोस जता दिया गया, स्थानीय प्रशासन ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा कर दिया और कुछ गिरफ्तारियां भी हो गईं। यह सब कुछ दिनों तक चला और फिर दुनिया अपनी रफ्तार से चलने लगी और फिर एक तरह से अगले हादसे तक के लिए सब कुछ सामान्य हो गया। हमारी नींद तो किसी हादसे के बाद ही खुलती है और पुनः हम कुंभकर्णी निद्रा में चले जाते हैं।

क्या हम इतने भयावह हादसे को लेकर पूरी तरह से संवेदनहीन हो चुके हैं? लगता तो यही है। अगर इस तरह की स्थिति न होती तो इतनी जल्दी विवेक विहार में हुई त्रासदी पर अफसोस जताना बंद न हो जाता। यह तो मानना ही होगा कि भारत में स्वास्थ्य सेवाएं तेजी से निजी हाथों में चली जा रही हैं। मतलब प्राइवेट अस्पताल खुलते ही चले जा रहे हैं। तंग गलियों में चलने वाले गंदे क्लीनिकों से लेकर पॉश कोरपोरेट इलाकों में अस्पतालें चल रहे हैं। ये ही देश में 70 फीसद तक जनता को स्वास्थ्य सुविधाएं दे रहे हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो सरकार अब 25-30 करोड़ लोगों को ही स्वास्थ्य सेवाएं दे रही है। जब इतने बड़े स्तर पर प्राइवेट क्षेत्र हेल्थ सेक्टर को देखने लगा है, तो क्या इस पर किसी का नियत्रंण है? विवेक विहार की घटना साबित करती है कि इन प्राइवेट अस्पतालों पर किसी को कोई खास नियंत्रण नहीं हो रहा है। जिस दो मंजिला बेबी डे केयर सेंटर में आग लगी वहां नवजात शिशुओं का इलाज और देखरेख एक आयुर्वेदिक डॉक्टर करता था। अब आप समझ सकते हैं कि हमारे यहां स्वास्थ्य सेवाओं की हालत कितनी पतली हो चुकी है। आग लगने के कारण सेंटर में भर्ती 12 नवजात में से सात ने दम तोड़ा। इसमें से कुछ झुलस गए थे तो कुछ नवजात ऑक्सीजन सपोर्ट हटने से जीवित नहीं रह पाए।

मुझे ईस्ट दिल्ली के सोशल वर्कर जितेन्द्र सिंह शंटी बता रहे थे कि सेंटर में ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से आग ने फौरन विकराल रूप ले लिया। सिलेंडर केयर सेंटर से दूर दूर जाकर गिरे। स्थानीय लोगों को लगा कि भूकंप आ गया है। शंटी और उनके साथियों ने आग

बुझाने और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में दिन-रात एक कर दी थी।

हमारे यहां अस्पतालों में आग लगने के कारण लगातार बड़े हादसे होते रहे हैं। 2011 में कोलकाता के एएमआरआई अस्पताल में आग लगने से 90 लोगों की मौत हो गई थी। अप्रैल 2021 में, कोविड-19 महामारी के चरम पर, मुंबई के पास विजय वल्लभ अस्पताल में आग लगने से 13 मरीजों की मौत हो गई थी। उसी वर्ष, मुंबई में फिर से सनराइज अस्पताल में आग लगने से 11 मरीजों की मौत हो गई। 2022 में, जबलपुर के न्यू लाइफ मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में आग लगने से आठ मरीजों की मौत हो गई और 2016 में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज में आग लगने से 50 मरीजों की मौत हो गई। अपना इलाज कराने आए रोगियों का जलकर मरने के मामलों को सुनकर पत्थर दिल इंसान का भी दिल दहल जाता है। सवाल यह है कि निजी अस्पतालों में होने वाले हादसों पर कब लगाम लगेगी? दिल्ली के अधिकांश निजी अस्पताल गरीब मरीजों को मुफ्त इलाज और बिस्तर उपलब्ध कराने में भी विफल रहते हैं, जबकि यह उनके निर्माण के समय दी गई जमीन के बदले में गरीब मरीजों का मुफ्त इलाज कानूनी आवश्यकता है। अगर देश की राजधानी में ऐसा हो सकता है, तो हम छोटे शहरों और कस्बों की स्थिति की केवल कल्पना ही कर सकते हैं। अस्पतालों में आग लगने का सामान्य कारण आम तौर पर खराब इमारत संरचना, जिसमें भागने का कोई रास्ता नहीं होता, आसपास के क्षेत्र में ज्वलनशील तरल पदार्थ और गैसों की उपस्थिति और अनुचित भंडारण और, सबसे महत्वपूर्ण, अग्नि सुरक्षा मानक संचालन प्रोटोकॉल की कमी है। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि आग लगने पर अग्नि शमन गाड़ियाँ तक इन इमारतों तक पहुँच तक नहीं सकते।

अगर बात अस्पतालों में आग लगने की घटनाओं से हटकर करें तो क्या कोई 3 दिसम्बर,1995 को मंडी डबवाली (हरियाणा) और 13 जून, 1997 को राजधानी के उपहार सिनेमाघर में लगी आग की घटनाओं को भूल सकता है? मंडी डबवाली में डीएवी स्कूल में चल रहे सालाना आयोजन में 360 अभागे लोग, जिनमें स्कूली बच्चे अधिक थे, स्वाह हो गए थे। हालांकि, कुछ लोगों का तो यहां तक दावा है कि मृतकों की तादाद साढ़े पांच सौ से भी अधिक थी। उधर उपहार में लगी भयंकर आग के चलते 59 जिंदगियां आग की तेज लपटों की भेंट चढ़ गई थीं।

जैसा कि हमारे देश में होता चला आ रहा है और न जाने कब तक होगा, हादसों के बाद जांच के आदेश दे दिए जाते हैं। हालांकि, जांच रिपोर्ट आने के बाद उसे कोई देखता भी नहीं है। उसकी सिफारिशें धूल चाटती रहती हैं। हादसों में शिकार हुए मृतकों के परिजनों और घायलों को कुछ मुआवजा दे दिया जाता है ।

इस बीच, पिछले लगभग ढाई दशकों से बंद उपहार सिनेमा परिसर को फिर से खोलने का पटियाला हाउस कोर्ट आदेश दिया है। उपहार में जो कुछ हुआ था, उसके बाद बहुत सारे दिल्ली वाले सिनेमा घरों से दूर हो गए थे। उस भयानक हादसे से सारा देश दहल गया था। उस मनहूस शुक्रवार को बॉर्डर फिल्म देखने आए करीब पांच दर्जन लोग दम घुटने या जलने के कारण मारे गए थे। तब से उपहार बंद था। पिछले कुछ समय पहले मुझे उसके अंदर का डरावना नजारा देखने का मौका मिला था। वहां पर जली सीटें,राख के ढेर, चिप्स के पैकेट, पेप्सी की बोतलें यहां-वहां पड़ी थीं। यह सब उस दिन की यादें ताजा करवा रही थे जब इधर मौत के आगे इंसान बेबस था। उस शाम बेसमेट में लगे ट्रांसफार्मर में अचानक से लगी आग की लपटें और धुआं काल बन कर आए थे। इधर हाल के दिनों में देश भर से आग लगने के मामले सामने आ रहे हैं। इनमें मासूम जान गंवा रहे हैं। क्यों संबंधित सरकारी महकमे देखते नहीं और सख्ती नहीं बरतते ताकि आग लगने के हादसे होने थम जाएं?

विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस

दुर्व्यवहार एवं उत्पीड़न से जटिल होती वृद्धावस्था

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

देश ही नहीं, दुनिया में वृद्धों के साथ दुर्व्यवहार, प्रताड़ना, हिंसा बढ़ती जा रही है, जो जीवन को नरक बनाये हुए है। बच्चे अपने माता-पिता के साथ बिल्कुल नहीं रहना चाहते। यही पीड़ा वृद्धजन को पल-पल की घुटन, तनाव एवं उपेक्षा से निकलकर वृद्धाश्रम जाने के लिए विवश करती है। संतान द्वारा बुजुर्गों की आवश्यकताओं को पूरा न करना गरिमा के साथ स्वतंत्र जीवन जीने जैसे मानवाधिकारों का हनन है। संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने इस स्थिति को नियंत्रण से बाहर कर दिया है। एक बड़ा प्रश्न है कि वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार के इस गलत प्रवाह को किस तरह से रोके? क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्धों के जीवन से जुड़ी इस विकट समस्या के समाधान के लिये ही विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस हर साल 15 जून को मनाया जाता है। इस दिन की शुरुआत सबसे पहले 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा बुजुर्गों द्वारा अनुभव किए जाने वाले दुर्व्यवहार के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए की गई थी।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार को 'एकल, या बार-बार की गई हरकत, या उचित कार्रवाई की कमी के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जो किसी भी रिश्ते में घटित होती है, जहाँ विश्वास की उम्मीद होती है, जो किसी बुजुर्ग व्यक्ति को नुकसान या परेशानी पहुँचाती है'। यह एक वैश्विक सामाजिक एवं पारिवारिक मुद्दा है जो दुनिया भर में लाखों बुजुर्गों के स्वास्थ्य और मानवाधिकारों को प्रभावित करता है और एक ऐसा मुद्दा है जिस पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को ध्यान देने की आवश्यकता है। विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस 2024 की थीम 'सभी पहचानों की बुजुर्ग पीड़ितों के लिए सम्मान, सुरक्षा और कल्याण को प्राथमिकता देना' है। याद रखें, बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार को रोकने में छोटी-छोटी कदम भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन लोगों की आवाज बनें जो खुद के लिए बोलने में सक्षम नहीं हैं, दूसरों को शिक्षित करें और बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए काम करने वाले संगठनों का समर्थन करें। साथ मिलकर, हम एक ऐसी दुनिया बना सकते हैं जहाँ हर बुजुर्ग अपने बुढ़ापे को गरिमा, आत्मसम्मान, सुरक्षा और स्वस्थता के साथ जी सके।

विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस एक प्रयोजनात्मक अवसर एवं उत्सव है। यह दिन उन तरीकों को खोजने के लिए भी मनाया जाता है कि कैसे समाज में बुजुर्ग लोगों की उपेक्षा, दुर्व्यवहार एवं उनके प्रति बरती जा रही उदासीनता की त्रासदी से उन्हें मुक्ति देकर उन्हें सुरक्षा कवच मानने की सोच को विकसित किया जाये ताकि वृद्धों के स्वास्थ्य, निष्कंटक एवं कुंठारहित जीवन को प्रबंधित किया जा सकता है। वृद्धों को बंधन नहीं, आत्म-गौरव के रूप में स्वीकार करने की अपेक्षा है। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार का कारण क्या है? वृद्ध व्यक्ति अक्सर गतिशीलता संबंधी समस्याओं, पुरानी स्वास्थ्य स्थितियों या सामाजिक अलगाव का सामना करते हैं। इसके अतिरिक्त, आपात स्थितियों का तनाव और अराजकता शारीरिक, भावनात्मक, वित्तीय या उपेक्षा सहित बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार के जोखिम को बढ़ा सकती है। आपातकालीन स्थितियों में वृद्ध व्यक्तियों द्वारा सामना की जाने वाली विशिष्ट चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाकर, हम अधिक समावेशी और सुरक्षात्मक वातावरण को बढ़ावा दे सकते हैं।

बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार एक ऐसी वैश्विक समस्या है जो विकासशील और विकसित दोनों देशों में मौजूद है, हालाँकि बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार की सीमा अज्ञात है, लेकिन इसका सामाजिक और नैतिक महत्व स्पष्ट है। नये विश्व की उन्नत एवं आदर्श संरचना बिना वृद्धों की सम्मानजनक स्थिति के संभव नहीं है। वर्किंग बहुओं के ताने, बच्चों को टहलाने-घुमाने की जिम्मेदारी की फिक्र में प्रायः जहां पुरुष वृद्धों की सुबह-शाम खप जाती है, वहीं महिला वृद्ध एक नौकरानी से अधिक हैसियत नहीं रखती। यदि परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। वर्तमान युग की बड़ी विडम्बना एवं विसंगति है कि वृद्ध अपने ही घर की दहलीज पर सहमा-सहमा खड़ा है, वृद्धों की उपेक्षा स्वस्थ एवं सुसंस्कृत परिवार परम्परा पर काला दाग है। हम सुविधावादी एकांगी एवं संकीर्ण सोच की तंग गलियों में भटक रहे हैं तभी वृद्धों की आंखों में भविष्य को लेकर भय है, असुरक्षा और दहशत है, दिल में अन्तहीन दर्द है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्धों को मुक्ति दिलानी होगी। इसके लिये आज विचारक्रांति ही नहीं, बल्कि व्यक्ति क्रांति एवं परिवार-क्रांति की जरूरत है।

हमारा भारत तो बुजुर्गों को भगवान के रूप में मानता है। इतिहास में अनेकों ऐसे उदाहरण है कि माता-पिता की आज्ञा से भगवान श्रीराम जैसे अवतारी पुरुषों ने राजपाट त्याग कर वनों में विचरण किया, मातृ-पितृ भक्त श्रवण कुमार ने अपने अन्धे माता-पिता को काँवड़ में बैठाकर चारधाम की यात्रा कराई। फिर क्यों आधुनिक समाज में वृद्ध माता-पिता और उनकी संतान के बीच दूरियां बढ़ती जा रही है। आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, दुर्व्यवहार, तिरस्कार, कटुक्तियां, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में इधर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। वृद्ध समाज इतना कुंठित एवं उपेक्षित क्यों है, एक अहम प्रश्न है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार अनेक स्वस्थ एवं आदर्श समाज-निर्माण की योजनाओं को आकार देने में जुटी है, उन्हें वृद्धों को लेकर भी चिन्तन करते हुए वृद्ध-कल्याण योजनाओं को लागू करना चाहिए, ताकि वृद्धों की प्रतिभा, कौशल एवं अनुभवों का नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में समुचित उपयोग हो सके एवं आजादी के अमृतकाल को वास्तविक रूप में अमृतमय बना सके। संयुक्त राष्ट्र ने विश्व में बुजुर्गों के प्रति हो रहे दुर्व्यवहार और अन्याय को समाप्त करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय है। बड़े बूढ़ों के साथ दुर्व्यवहार देखकर लगता है जैसे हमारे संस्कार ही मर गए हैं। बुजुर्गों के साथ होने वाले अन्याय के पीछे एक मुख्य वजह सामाजिक प्रतिष्ठा मानी जाती है। तथाकथित व्यक्तिवादी एवं सुविधावादी सोच ने समाज की संरचना को बदसूरत बना दिया है। आज बन रहा समाज का सच डरावना एवं संवेदनहीन है। आदमी जीवनमूल्यों को खोकर आखिर कब तक धैर्य रखेगा और क्यों रखेगा जब जीवन के आसपास सबकुछ बिखरता हो, खोता हो, मिटता हो और संवेदनाशून्य होता हो। संवेदनशून्य समाज में इन दिनों कई ऐसी घटनाएं प्रकाश में आई हैं, जब संपत्ति मोह में वृद्धों की हत्या कर दी गई। ऐसे में स्वार्थ का यह नंगा खेल स्वयं अपनों से होता देखकर वृद्धजनों को किन मानसिक आघातों से गुजरना पड़ता होगा, इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। वृद्धावस्था मानसिक व्यथा के साथ सिर्फ सहानुभूति की आशा जोहती रह जाती है। इसके पीछे मनोवैज्ञानिक परिस्थितियां काम करती हैं। वृद्धजन अव्यवस्था के बोझ और शारीरिक अक्षमता के दौर में अपने अकेलेपन से जूझना चाहते हैं पर इनकी सक्रियता का स्वागत समाज या परिवार नहीं करता और न करना चाहता है।

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

राजनीतिक मतभेद व्यक्तिगत कटुता का कारण न बने

व्यवहार में देखा गया है कि व्यक्तिविशेष का किसी दल या व्यक्तिविशेष के प्रति आसक्ति भाव इतना प्रबल होता है कि वैचारिक मतभेद के चलते वह अपनों से किनारा कर लेता है। वर्षों से संजोए गए रिश्ते तक दांव पर लग जाया करते हैं। इसके चलते सीधे तौर पर हमारे व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जाने-अनजाने ही सही, लेकिन व्यक्तिगत संबंध एवं सामाजिक सरोकार कहीं पीछे छूट जाते हैं। जबकि चल रही चर्चा से हमारा कहीं से कहीं तक किसी भी प्रकार का सीधे तौर पर प्रत्यक्ष संबंध नहीं होता। विशेष कर राजनीति से संबंधित विषयों को लेकर इस प्रकार के वैचारिक मतभेद बहुलता से हुआ करते हैं।

व्यक्तिगत एवं सामूहिक चर्चा से कहीं आगे सोशल मीडिया की भी अपनी दुनिया और अपना परिवार है। ऐसे में अपने स्वतंत्र अभिमत को जग जाहिर करने पर यह कतई आवश्यक नहीं होता कि अन्य पक्ष भी हमारे विचार या तर्क से सहमत हो। हर किसी के अपने-अपने अनुभव और अनुमान अलग-अलग हो सकते हैं। वैसे भी लोकतंत्र में वैचारिक मतभिन्नता बहुत स्वाभाविक हुआ करती है। कोई भी राजनीतिक दल हो, घोषित तौर पर उसका एकमात्र लक्ष्य जनकल्याण .... और केवल जनकल्याण ही हुआ करता है। अब यह अलग बात है कि जनता का ऐसा कल्याण करने के लिए वह किस नीति को प्राथमिकता दिया करता हैं ?

किसी विषय को लेकर मतभिन्नता भी लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक ही तो हुआ करती है। सत्तापक्ष निरंकुश न हो जाए, इस बात को लेकर प्रतिपक्ष स्वाभाविक रूप से चौकन्ना रहा करता है। यह स्थिति एक प्रकार से लोकतंत्र में लोकतंत्र की सार्थकता के लिए आवश्यक आवश्यक प्रतीत होती है। वैसे भी सच्चे अर्थों में लोकतंत्र के क्रियान्वयन के लिए आम नागरिकों के समक्ष सत्तापक्ष का विकल्प हर समय उपस्थित रहना चाहिए। अन्यथा फिर तथाकथित लोकतंत्र को एकतंत्र में तब्दील होने में कोई देर नहीं लगती। इस नाते हमें राजनीतिक दृष्टि से सत्तापक्ष के आलोचक की भावनाओं का भी सम्मान करना चाहिए।

वैसे भी समान लक्ष्य को लेकर दो या दो से अधिक परस्पर विपरीत विचारधारा ही तो 'लोकतंत्र की प्राणवायु' है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि विभिन्न राजनीतिक दलों के हर छोटे-बड़े नेता परस्पर व्यक्तिगत रिश्तों में आत्मीयता का भाव रखा करते हैं। राजनीतिक शिष्टाचार के चलते पराजित पक्ष भी विजयी पक्ष को बधाई देने की परंपरा का निर्वहन करता है। हालांकि यह तर्क दिया जा सकता है कि जब एक पक्ष अनर्गल प्रचार पर उतारू हो, तब उसका प्रबल प्रतिकार करना भी आवश्यक हो जाता है। लेकिन ऐसे सवाल यह है कि जिन्हें प्रतिकार करना चाहिए, वह तो चुप्पी साध जाते हैं - और हम मैदान पकड़कर व्यर्थ ही अपनी उर्जा जाया करते हैं। यह ठीक नहीं।

बीते कुछ दशकों से हर छोटे-बड़े चुनाव में हर एक राजनीतिक दल के पैरोकार सोशल मीडिया के माध्यम से अपने पक्ष में वातावरण बनाने का भी पुरजोर प्रयास करते हैं। करते हैं तो करने दीजिए, आखिर मत देने का अधिकार तो हमारे पास सुरक्षित है-यही दृष्टिकोण व्यावहारिक हो सकता है। लेकिन परोसे गए मुद्दों पर तमाम तरह के तर्क-वितर्क या कुतर्क करना, हमारे पक्षपात का कारण बन जाता है। यह ठीक है कि हम अपनी धारणा के साथ अलग-थलग नहीं पड़ते, हमारा साथ देने को और भी मैदान में उतर जाते हैं। लेकिन कुल मिलाकर हमारे एकतरफा विचार की अभिव्यक्ति दूसरी तरफ हमारे लिए नुकसान का कारण भी तो बन सकती है।

हाल ही में संपन्न आम चुनाव के दौरान परस्पर पक्ष और विपक्ष में नैतिकता और मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ दी गई। शीर्ष दलों के राजनेताओं पर बहुत तीखे आक्षेप किए गए। फलस्वरुप दोनों ही पक्ष के समर्थको ने अपने-अपने स्तर पर मैदान संभाल लिया। प्रतिक्रिया पर प्रतिक्रिया आने लगी। कहीं-कहीं तो निम्न स्तरीय शब्दावली का उपयोग भी किया गया। खैर, असल नुकसान तो वह हुआ कि कल तक जो हम पर स्नेह, सहयोग और आशीर्वाद लुटाते थे, हमारे बेमतलब की राजनीति में कूदने और उछलने के चलते किनारा करते नजर आए। यही नहीं अपितु अलग-अलग विचारधारा वाला वर्ग अलग-अलग खेमे में बंटा हुआ नजर आया। आखिर हम ऐसा घाटे का सौदा क्यों करें

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

खुदगर्ज़ लोग

कुन्दन सिंह परिहार

लेखक व्यंग्यकार हैं।

वह आदमी सहमता, सकुचता मंत्री जी के बंगले में घुसा। भीतर पहुँचा तो देखा, लंबे चौड़े लॉन में बीस पच्चीस लोग इधर उधर आँखें मूँदे या आँखों पर बाँह धरे पड़े हैं। लगता था जैसे बीस पच्चीस लाशें बिछी हों। पास ही दो एंबुलेंस खड़ी थीं। उनमें से एक में दो लोगों को डंगाडोली बनाकर धरा जा रहा था।

आदमी उन ज़िन्दा लाशों के बगल से गुज़रा तो उनमें से एक ने आँखों पर से बाँह हटाकर उसे घूरा, फिर पूछा, 'कौन हो भैया? कहाँ जा रहे हो?'

आदमी बहुत नम्रता से बोला, 'मंत्री जी से मिलना था। वे हमें जानते हैं।'

ज़मीन पर लेटा आदमी बोला, 'ज़रुर जानते होंगे, लेकिन अभी वे किसी से नहीं मिलेंगे। अभी वे शोककक्ष में हैं। ब्लड प्रेशर चेक करने के लिए डॉक्टर को चुप्पे-

चुप्पे बुलाया है। विरोधी पार्टी वालों को मंत्री जी की तबियत पता नहीं लगना चाहिए।'

आगन्तुक वहीं रुक गया। पूछा, 'क्या हो गया मंत्री जी को?'

लेटा हुआ आदमी उठ कर बैठ गया। बोला, 'वही राजरोग है। जो पार्टी हमें सपोर्ट कर रही थी उसने समर्थन वापस ले लिया है। राज्यपाल जी को लिखकर दे दिया है। बेईमानों से और क्या उम्मीद करेंगे? अब हमारी सरकार गिरी ही समझो। इसीलिए हम सब मंत्री जी के समर्थक ग़म में डूबे यहाँ बेसुध पड़े हैं। जब मंत्री जी पद पर नहीं रहेंगे तो हमारा क्या होगा? हमें कौन पूछेगा? अँधेरे के सिवा कुछ नहीं दिखता है। आप किस लिए आये थे?'

आगन्तुक बोला, 'बेटे ने साल भर पहले पटवारी की परीक्षा पास की थी। अभी तक नियुक्ति पत्र नहीं मिला।'

बैठा हुआ आदमी व्यंग्य से बोला, 'आप लोग, भैया, बड़े स्वार्थी हो। आपको अपना अपना दिखता है, हमारी परेशानी नहीं दिखती। वही नौकरी और मँहगाई का रोना। जरा सोचो, भैया जी मंत्री नहीं रहे तो हमारा क्या होगा? हमारे पास भैया जी की सेवा के सिवा कौन सा रोजगार है? कौन सा मुँह लेकर घर जाएँ?'

आगन्तुक दुखी स्वर में बोला, 'बड़ी परेशानी है। बेटा चौबीस घंटे टेंशन में रहता है। क्या करें?'

बैठा हुआ आदमी क्रोधित हो गया, बोला, 'बस अपनी ढपली, अपना राग। हम यहाँ इतनी बड़ी परेशानी में पड़े हैं और आप अपना बेसुरा राग अलापे जा रहे हैं। गज़ब की खुदगर्ज़ी है,भई। क्या आपका दुख हमारे दुख से बड़ा है? ये जो इतने लोग यहाँ बेहाल पड़े हैं इनका दुख आपको दिखाई नहीं देता? अब आप यहाँ से तशरीफ ले जाएँ। आप जैसे खुदगर्ज़ लोगों के कारण ही हमारे देश की जगहँसाई होती है। शर्म आनी चाहिए आपको।'

आगन्तुक, सोच में डूबा, धीरे-धीरे बंगले से बाहर हो गया।

कविता मनुष्य की ज्ञान शक्ति का विस्तार करती है

विवेक कुमार मिश्र

कविता अनंत कोरों पर खुलती है। कोई एक अर्थ या इतना सा अर्थ लेकर कोई कविता न तो मन पर राज करती है न हृदय पर, वह तो समय के आर पार के सवालों का अर्थ अपने भीतर रखते हुए चलती है । यह बार बार कहा जाता है कि कविता में समय का इतिहास दर्ज होता है इतना ही नहीं वहां भविष्य के संकेत भी छिपे होते हैं बस सजग आंखों की जरूरत होती है जो इस तरह से पाठ करें की कविता में व्यक्त समय समाज पूरा खुल कर सामने आ जाएं। कविता जितना निजी संसार को अभिव्यक्त करती है उससे कहीं ज्यादा सामाजिक दायित्व और सामाजिक दुनिया उसके केंद्र में होता है। एक कवि यहीं से अपने लिए और समाज के लिए, इतिहास के लिए ज्ञान का स्रोत चयनित करता है । कवि जो लिखता है और जो नहीं लिखता वह सब बहुत महत्वपूर्ण होता है बाद के सामाजिक अध्ययन में किस किस कवि ने कहां किस अवसर पर क्या कहा, क्यों कहा ? और इस घटना पर यदि वहां कुछ नहीं कहा गया तो इसके पीछे कारण क्या रहे होंगे। इस तरह कविताएं अपने अनंत पाठकों को अनंत अर्थ के लिए छोड़ देती हैं और कोई भी बड़ी व महत्वपूर्ण कविता केवल अपने समय का पाठ नहीं करती है । कविता मनुष्य की ज्ञान शक्ति का विस्तार करती है। अनुभव के क्रम में जो ज्ञान आता है वह मनुष्य को मनुष्य की महिमा के बारे में नये सिरे से बताता है । कवि साक्षात करता है... उसके लिए ज्ञान पाठशाला से कम जीवन की भट्ठी से ज्यादा होता है। यहां प्रसाद जी की कामायनी की शुरुआत को लेते हैं कि किस तरह मानव संसार की विशालता को, प्रकृति की सत्ता को कवि रखता है -दूर दूर तक विस्तृत प्रकृति है और कहीं कुछ नहीं है वहां से अस्तित्व की घोषणा है कि हां यहीं से मनुष्य शुरुआत कर सकता है यहां से सभ्यता की कथा कही जा सकती है और जिसके भरोसे कहीं जा रही है वह कितना विराट है ....

हिमगिरि के उत्तुंग शिखर पर,
बैठ शिला की शीतल छाँव

'एक पुरुष, भीगे नयनों से, देख रहा था प्रलय प्रवाह।
नीचे जल था ऊपर हिम था, एक तरल था एक सघन,
एक तत्व की ही प्रधानता, कहो उसे जड़ या चेतन।
दूर दूर तक विस्तृत था हिम, स्तब्ध उसी के हृदय समान,
नीरवता-सी शिला-चरण से, टकराता फिरता पवमान।
तरूण तपस्वी-सा वह बैठा, साधन करता सुर-श्मशान,
नीचे प्रलय सिंधु लहरों का, होता था सकरूण अवसान'।

इसी सन्नाटे की भूमि से सब कुछ रचा जाना है। जहां कुछ नहीं है, जहां शून्य है , जहां घना अंधेरा छाया है वहीं से उदित होगी पृथ्वी और आशा की कथा, सभ्यता की कथा और गाथा लिखी ही नहीं जायेगी बल्कि जीवन दर्शन को भी सामने रखा जा रहा है कि सभ्यताओं के विकास क्रम में किसी भी अतिवाद को स्वीकार नहीं किया जा सकता। सभ्यताएं मध्यम मार्ग से फलित होती हैं...कवि जीवन की किताब पढ़ता है और जीवन के केंद्र में रहता है । यदि जीवन नहीं है तो साहित्य का क्या काम? साहित्य के लिए वहीं जगह बनती है जहां पर जीवन धड़कता है । जहां जिंदगी की हलचलों को विस्तार मिलता है जहां से लोग कदम बढ़ाते हैं । यहां कोई ठहर जाने के लिए नहीं आता बल्कि यहां से अपनी गति को देखना शुरू करता है । अपनी यात्रा में स्मृति के उस पथ को जोड़ता जाता है जिससे जिन्दगी की इमारत खड़ी करने में किसी न किसी रूप में मदद मिली हों । मनुष्य की समृद्धि केवल ताकत या केवल धन या केवल मन से नहीं आती उसकी समृद्धि में एक साथ कई सारी स्थितियां होती हैं उसे कलाएं समृद्ध करती हैं । कविता या साहित्य उसके स्वाद और रस को बढ़ाते हुए उसका पोषण करते हैं । एक रचनात्मक यात्रा में वह इतना आनंदित और समृद्ध होता है कि उसे यह समृद्धि किसी धन संचय या धन संपदा से नहीं मिलता । यह मूलतः मानुष मन और मानव व्यक्तित्व की बात है । कवि के यहां जीवन धूप छांव सा है। संसार दुःख और सुख की वेदी पर बैठकर जीवन का पाठ पढ़ रहा है । इससे इतर जीवन संसार की कोई कल्पना नहीं की जा सकती। 'लें चल मुझे भुलावा देकर' गीत में प्रसाद जी इसी सत्य को अनुभूत करते हुए लिखते हैं -

'जिस गम्भीर मधुर छाया में,
विश्व चित्र-पट चल माया में,
विभुता विभु-सी पड़े दिखाई-
दुख-सुख बाली सत्य बनी रे ।
श्रम-विश्राम क्षितिज-वेला से
जहाँ सृजन करते मेला से,
अमर जागरण उषा नयन से
बिखराती हो ज्योति घनी रे'

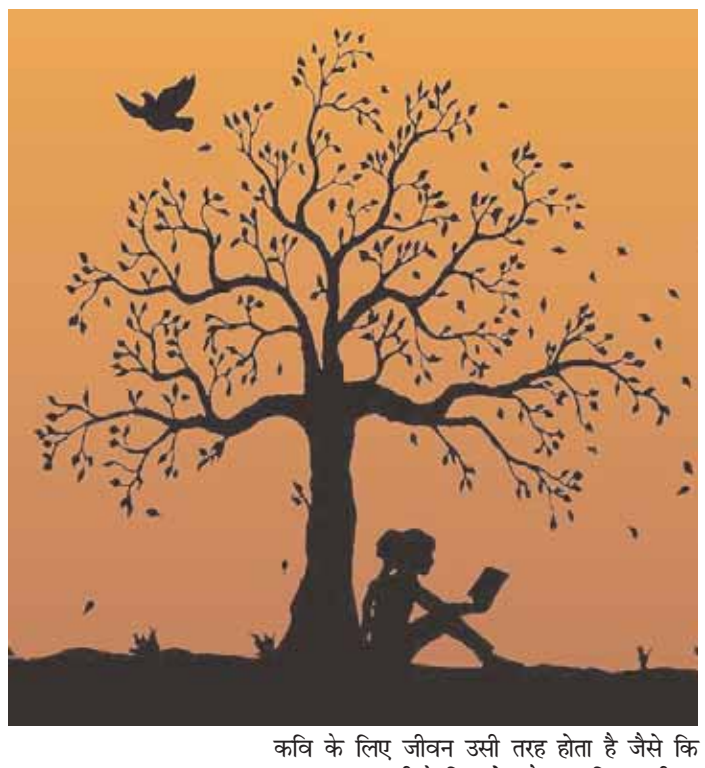

कवि के लिए जीवन उसी तरह होता है जैसे कि सामान्यतः हर आदमी के लिए होता है पर कवि का जीवन अनंत संदर्भों से चमकता है । वहां पर बातें और संदर्भ चमकते हैं एक अलग अनुभव लेकर आते हैं । इस क्रम में एक बहुत बड़ी दुनिया उसके आसपास होती है जहां से वह जीवन की किताब को पढ़ता रहता है । साहित्य और कलाओं की तरफ झुकाव सच में मनुष्य की मनुष्यता को विस्तार देने के लिए ही होता है । वह उसी तरह नहीं सोचता जैसे कि सामान्य तौर पर धन दौलत के बीच पड़ा आदमी जिस तरह से जीवन को देखता या समझता है उससे बिल्कुल अलग कवि लेखक का जीवन और दर्शन होता है उसे संसार में आश्चर्य की खोज करते हुए जीवन को समझना होता है । हर क्षण उसके सामने एक अलग चुनौती और एक अलग संसार होता है ।

इधर उधर की व्यवस्था या व्याख्या उसके काम कम ही आती है । वह आदमी को देखता है । संसार को देखता है । संसार में उपस्थित आदमी उसका सबस बड़ा आधार और आश्चर्य होता है । कवि एक आश्चर्य से दूसरे आश्चर्य के बीच यात्रा करता रहता है ।

समय संसार और समाज की हर विपरीत स्थिति कवि के सामने एक चुनौती लेकर आती है कि इस स्थिति में हमें जीना है और यहां से कदम बढ़ाना है। कवि का कदम अकेले का कदम नहीं होता न ही वह कहीं अकेले जाता , उसके साथ उसके आसपास का पूरा संसार ही चल रहा होता और वह उन सबके भविष्य की चिंता को अपनी रचना में लेकर आते हैं । कैसा भी समय क्यों न हो वह मनुष्य से मनुष्य का संवाद कराती है । उसका साक्षात्कार प्रकृति से, जीव से , जीवन से हर कहीं यदि कोई कराता है तो वह कविता ही है । कविता का धरातल सूक्ष्म होता है । वह वहीं नहीं होती जो पंक्ति में दिखता है ... उससे आगे भी उसका अर्थ जाता है । वह अर्थ जब देखते हैं तो कविता के मर्म तक जा पाते हैं । अक्सर पढ़ी जा रही कविताएं अपने मर्म से दूर ही रह जाती हैं । पाठक शब्दों में चमत्कार ढूढ़ता है लय को दूर से देखता है और मान लेता है कि कविता पढ़ ली और कविता का अर्थ भी कर लिया । यह सामान्य पाठक की बात नहीं है यह बहुत पढ़ें लिखे अपने ढ़ंग के समझदार लोगों का हाल है फिर कहते हैं कि कोई कविता पढ़ता नहीं । अब यह कौन बताएगा कि कविता कहां से और किस तरह पढ़ी जाए कि वह अर्थ खुले जो छिपा है जिसे कवि ने बहुत जतन से वहां रखा है जहां से कविता चमकती है ।

विधायकों के लिये नये निवास : पर किस कीमत पर

एल.एस. हरदेनिया

इस समय मध्यप्रदेश में मंत्रियों तथा विधायकों के निवास को लेकर विवाद चल रहा है। शासन इनके लिये नये बंगलों के निर्माण की योजना बना रहा है। इन बंगलों के निर्माण के लिये जितनी भूमि की आवश्यकता है उसे प्राप्त करने के लिये हज़ारों पेड़ काटे जायेंगे। इतनी बड़ी संख्या में पेड़ों के काटे जाने से भोपाल की जलवायु भी प्रभावित होगी। 1956 में जब भोपाल को मध्यप्रदेश की राजधानी बनाया गया था उस समय भोपाल एक अत्यधिक ठंडा स्थान था। उस समय यदि हम लोग खुले में सोते थे तो हमें रजाईयां ओढ़ना पड़ता था। परंतु धीरे-धीरे स्थिति बदलती गई। भारी संख्या में पेड़ काटे जाने लगे, खेती के जमीन पर निर्माण होने लगा। भोपाल कांक्रीट का जंगल होता गया। शहर में हज़ारों की संख्या में एयरकंडीशनर लगाये जाने लगे।

प्रश्न यह है कि क्या विधायकों के लिए भोपाल में अतिरिक्त निवासों की आवश्यकता है? और यदि है भी तो उसके लिए जमीन प्राप्त करने हेतु क्या हजारों पेड़ काटने की आवश्यकता है?

जब भोपाल राजधानी बना था, उस समय भोपाल के विधानसभा की सदस्य संख्या 320 थी। छत्तीसगढ़ बनने के बाद 90 सदस्य छत्तीसगढ़ में शामिल कर लिये गये। इस तरह 90 निवास खाली हो गये। फिर प्रश्न यह है कि क्या राजधानी में विधायकों के लिए स्थायी निवास उपलब्ध करना आवश्यक है? इस समय स्थिति यह है कि विधानसभा का सत्र बहुत ही कम समय के लिए आयोजित किया जाता है। कभी-कभी 3 और 4 दिन के अंदर ही विधानसभा का सत्रावास हो जाता है। इस तरह विधायकों को वर्ष में 8-10 दिन से ज्यादा भोपाल में रहने की आवश्यकता नहीं होती।

एक समय था जब भोपाल में विधायकों का तीसरा विश्राम गृह सिर्फ विधायकों के मेहमानों को ठहराने के लिए उपयोग किया जाता था। कई राज्यों में तो वर्षों तक विधायकों के निवास, यदि सत्र नहीं होता था तो उनका उपयोग लगभग होटल की तरह किया जाता था। हमें याद है कि हम लोग जब बंबई जाते थे तो कई बार हमें विधायकों के खाली निवास पर ठहराया जाता था। उसका किराया भी लिया जाता था। ज्ञात नहीं है परंतु हो सकता है कि इस तरह की व्यवस्था देश के अन्य राज्यों में भी होती हो।

दुनिया का सबसे पुराना प्रजातंत्र ब्रिटेन का है। वहां दो सदन हैं, एक हॉउस ऑफ लार्ड और दूसरा हाउस ऑफ कामन्स। इनके सदस्यों को लंदन में ठहरने के लिए कोई स्थायी व्यवस्था नहीं है। जब सत्र होता है तो इन दोनों सदनों के सदस्य या तो होटल में ठहरते हैं या किसी के घर में किराया देकर ठहरते हैं। व्यवस्था ऐसी भी है कि यदि किसी सदस्य को मकान मालिक को किराया देना पड़ता है तो उसे उतने ही दिन का किराया देना पड़ता है जितने दिन इन सदनों की बैठक होती है। उसका प्रमाण पत्र सदस्यों को अपने सदन के सचिवालय से प्राप्त करना पड़ता है। जितने दिन का प्रमाण पत्र मिलता है उतने ही दिन का सदस्य को किराये की पात्रता होती है।

इस समय जो विश्राम गृह भोपाल में हैं उनकी क्या स्थिति है यह ज्ञात नहीं है। कई पारिवारिक विश्राम गृह भी बन चुके हैं जिनमें रसोई घर, स्नान घर की भी व्यवस्था है। यदि वर्तमान में इन विश्राम गृहों की स्थिति कुछ कमजोर है तो उन्हीं को तोड़कर उन्हीं स्थानों पर नये मकान बनाये जा सकते हैं। परंतु बंगले और मकान बनाने के लिए नई जमीन की उपलब्धता के खातिर हजारों की संख्या में पड़ों का काटना पूरी तरह

अनावश्यक है। इसके विरोध में भोपाल में आवाजें उठने लगी हैं और यदि सरकार का निर्णय नहीं बदला तो पेड़ों की कटाई रोकने के लिए एक बहुत बड़ा आंदोलन भी हो सकता है।

जब भारत आज़ाद हुआ था तो यह प्रश्न चर्चा में आया था कि मंत्रियों और अन्य लोगों को दिल्ली में रहने के लिए क्या इंतज़ाम किए जायें। इस संबंध में महात्मा गांधी की राय स्पष्ट थी। उन्होंने परामर्श दिया था कि ''सरकार में काम करने वाले लोगों के लिए छोटे मकान ही यथेष्ट हैं।'' उन्होंने इस संबंध में तत्कालीन गवर्नर जनरल और प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर यह सलाह दी थी कि ''वे छोटे मकानों से ही काम चलायें। जिस देश में लाखों, करोड़ों लोग एक वक्त का भोजन कर पाते हैं उस देश में बड़े-बड़े महलों को बनवाकर उन पर फिजूल खर्ची न की जाये।''

गांधीजी ने पंडित नेहरू को अपने एक पत्र में लिखा थाः ''हम अंग्रेजों की फिजूलखर्ची को अपना रहे हैं, जिसे हमारा देश बरदाश्त नहीं कर सकता।'' कुछ दिन बाद उन्होंने फिर लिखाः ''मुझे लगता है कि वाइसरॉय को किसी सादे मकान में जाने देना चाहिये और वर्तमान राजप्रासाद का उपयोग अधिक उपयोगी कामों के लिए करना चाहिये।'' पंडित नेहरू इससे सहमत थे। माउण्टबेटन इसके लिए तैयार थे-उनमें इसका उत्साह भी था। गांधीजी ने माउण्टबेटन को लिखाः ''क्या मैं बता सकता हूं कि राष्ट्र के अधभूखे करोड़ों ग्रामीणों के चुने हुए गवर्नर-जनरल के नाते आपने किसी सादे मकान में जाने की जो इच्छा प्रकट की है, उसका मेरे मन में कितना आदर है? आशा है कि आपकी यह इच्छा पूरी की जा सकेगी।'' परन्तु पंडित नेहरू ने उसी दिन लिखे गये अपने पत्र में गांधीजी को समझाया कि ''हम काम में इतने व्यस्त हैं कि उपयुक्त स्थान ढूंढना और राजप्रासाद को छोड़कर दूसरे स्थान में जाने की व्यवस्था करना कठिन है।'' सारा कारण यही नहीं हो सकता था, क्योंकि भारतीय गवर्नर-जनरल के पदारूढ़ होने के बाद भी न तो उनके निवास में और न उसके ठाटबाट में कोई परिवर्तन किया गया। हमें यह भी बताया गया कि विदेशों के महान राजपुरूष राजभवन में जो स्तर रखा गया है उसे भी 'अपर्याप्त' समझते हैं।

गांधीजी को इससे निराशा हुई, परंतु उन्होंने अपनी निराशा से भी 'भलाई' खींच निकाली। उत्तेजना के उन दिनों में, जब दिल्ली कब्रस्तान बन गया था, गवर्नर-जनरल के साथ हुई एक मुलाकात के दौरान गांधीजी को बताया गया कि किस तरह राजभवन दंगा-फसाद और रास्तों के शोर-गुल से दूर संकट-समिति की बैठकों और चर्चाओं के लिए एक शान्त एकान्त स्थान बन गया है। माउण्टबेटन को दी हुई अपनी पहले वाली सलाह की याद दिलाते हुए गांधीजी ने उनसे कहा- ''इसकी परवाह नहीं कि आप छोटे मकान में क्यों नहीं गये। जब मैं संकट-समिति को इस भवन की अखण्ड शान्ति में काम करते देखता हूँ तब अपने मन में कहता हूँ- ''शायद ईश्वर हम सबसे अधिक बुद्धिमान है। कारण, यह ठीक ही है कि संकट-समिति की बैठक ऐसे स्थान पर हो जहां उचित वातावरण में बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय किये जा सकें।''

परंतु गांधी जी द्वारा दी गई अनेक सलाहों की जिस तरह उपेक्षा की गई वही इस परामर्श के साथ भी हुआ। अभी हाल में समाचारपत्रों में छपा है कि भोपाल में मंत्रियों के बंगलों के सुधार में ही करोड़ों रूपये खर्च हुए हैं। किस मंत्री के बंगले के सुधार में कितना खर्च हुआ इसका विवरण भी समाचार पत्रों में छपा है।

आम पर्यटन

अवनीश सोमकुंवर

लेखक उपसंचालक जनसंपर्क मध्यप्रदेश)

आम नहीं खास है मप्र के आम

बालपण म झूला झूलए, जवानी म सोवए, बुढ़ापा म सबई जोण खोब चुम्मा लेवए

क्या इस पहेली को आप एक पल में बूझ सकते हैं? यह जनजातीय समाज में बुजुर्ग अपने पोते-पोतियो से पूछते हैं। इसका सही जवाब है - आम। यह ईश्वरीय फल है। इसका स्वाद शब्दों में बता पाना मुश्किल है। भारत में करीब 1500 किस्म का आम होता है। इनमें से कुछ प्रकार बेहद लोकप्रिय है और आम लोगों की जवान पर चढ़े है। अल्फांसो, बॉम्बे ग्रीन, चौसा दशहरा, लंगड़ा, केसर, नीलम, तोतापरी मालदा, सिंदूरी, बादामी, हापुस, नूरजहां, कोह-ए-तूर के नाम अक्सर लोग लेते हैं। इनमें मध्यप्रदेश के आमों का जिक्र खास है।

मध्यप्रदेश के आम बहुत खास है। यदि कहें कि मध्यप्रदेश में 'आम पर्यटन' के रूप में पर्यटन की नई शाखा सामने आई है तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। आलीराजपुर जिले के कट्ठीवाड़ा का नूरजहां आम खाना तो दूर इसे देखने तक लोग दूर-दूर से आते हैं। आम आने से पहले ही एक-एक फल की बुकिंग हो जाती है। एक आम का वजन 500 ग्राम से लेकर 2 किलो तक हो सकता है। बारह इंच तक लंबा हो सकता है। स्वाद लाजवाब है। आम जब इतना खास हो जाए कि इसे देखने लोग तरस जाएं तो आम पर्यटन की संभावनाएं बढ़ जाती है। जनवरी में फूल आना शुरू होते हैं और फरवरी के आखिर तक पेड़ फूलों से लद जाता है। जून के आखिर तक फलों से भर जाता है। इसका पौधा अफगानिस्तान से गुजरात होते हुए मध्य प्रदेश आया। कट्ठीवाड़ा में ही 37 किस्में देखी जा सकती है। पेड़ की ऊंचाई 60 फीट तक होती है। एक पेड़ में 100 के करीब आम निकल आते हैं। इस प्रकार करीब 350 आम पांच पेड़ों से मिल जाता है। एक आम 500 रूपए से लेकर रू. 2000 तक बिक जाता है।

सुंदरजा- पिछले साल रीवा के गोविंदगढ़ में होने वाले सुंदरजा आम को ज्योग्राफिकल इंडिकेशन टैग मिला। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने खुश होकर ट्वीट साझा किया था। वर्ष 1968 में सुंदरजा पर डाक टिकट जारी हो चुका है। सुंदरजा आम देखने में जितना सुंदर है स्वाद में उतना ही लाजवाब है। इसकी सुगंध मदहोश करने वाली है। बारिश की पहली फुहार के बाद यह पकता है। गोविंदगढ़ के वातावरण में ही यह पनपता है क्योंकि यहां मिट्टी और तापमान दोनों का विशेष महत्व है सुंदरजा पेड़ को फलने-फूलने के लिए। इसकी पत्तियां, छाल गुठलियां सब काम आती है। यह एंटीऑक्सीडेंट है। विटामिन-ए, विटामिन-सी और आयरन से भरपूर है। शक्कर की मात्रा कम होती है इसलिए मधुमेह के मरीज भी इसे पसंद करते हैं। सुंदरजा रीवा जिले और पूरे मध्य प्रदेश की भी पहचान बन गया है। एक जिला एक उत्पादक परियोजना में सुंदरजा को शामिल किया गया है। रीवा के फल अनुसंधान केंद्र कठुलिया में आम पर आगे रिसर्च लगातार चल रही है। यहां विभिन्न किस्मों के आम के 2345 पेड़ हैं। इनमें बॉम्बे ग्रीन, इंदिरा, दशहरा, लंगड़ा, गधुवा, आम्रपाली, मलिका मुख्य है।

बाणसागर की नहर के कारण इस क्षेत्र में खेती विकसित हो गई है। साथ ही उद्यानिकी फसलों की पैदावार भी बढ़ी है। इसी के साथ खाद्य प्रसंस्करण लघु उद्योगों की भी भरपूर संभावनाएं बनी है। गोविंदगढ़ क्षेत्र में ही आम के कई बाग है। यहां करीब 237 किस्म के आम मिल जाते है। सभी स्वाद में एक दूसरे से बढ़कर है। यहां से फ्रांस, अमेरिका, इंग्लैंड और अरब देशों को आम निर्यात होता है।

जबलपुर का मियाजाकी- जबलपुर में सबसे महंगे आम मियाजाकी ने स्वाद की दुनिया में धूम मचा दी है। एक आम की कीमत 20000 रूपये तक पहुंच जाती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तीन लाख रूपये किलो तक कीमत मिल जाती है। यह लाल रंग का होता है। एक आम 900 ग्राम से लेकर डेढ़ किलो तक का होता है। यह जापान की किस्म है जो थाईलैंड, फिलिपींस में भी होती है। जापान में इसे सूर्य का अंडा कहते हैं। जबलपुर में 1984 से इसका उत्पादन हो रहा है। इसे पकाने के लिए गर्म मौसम और बारिश दोनों की जरूरत होती है। जबलपुर से सटे डगडगा हिनौता गांव में इन आमों को दूर से देखा जा सकता है। यहां आम के पेड़ कड़ी सुरक्षा में रहते हैं। इसके मालिकों की सारी ऊर्जा पेड़ों की सुरक्षा में लग जाती है। मध्यप्रदेश से अब बांग्लादेश अरब, यूके, कुवैत, ओमान और बहरीन देशों को आम का निर्यात हो रहा है।

इतिहास- आम फल का इतिहास करीब 5000 सालों का है। यह इंडो वर्मा रीजन में पैदा हुआ और पूर्वी भारत और दक्षिण चीन तक पूरे साउथ एशिया में विस्तार से मिलता था। वर्ष 1498 में जब पुर्तगाली कोलकाता में उतरे तो उन्होंने आम का व्यापार स्थापित किया। आम ट्रॉपिकल और सब ट्रॉपिकल जलवायु में अच्छा फलता है। प्राथमिक रूप से यह ब्राज़ील, इक्वाडोर, ग्वाटेमाला, हैती, मेक्सिको, पेरू में भी पाया जाता है। आम का इतिहास बताता है की अंग्रेजी का मेंगो शब्द मलयालम के 'मंगा' और तमिल के 'मंगाई' से बना है। आम की टहनियों को जोड़कर तरह-तरह की नई किस्में पैदा करने की कला पुर्तगालियों की देन है। जैसे अल्फांसो का नाम एक सैन्य विशेषज्ञ अल्बुकर्क के नाम पर रखा गया। भारत आए चीनी यात्री व्हेन सांग ने दुनिया को बताया कि भारत देश में आम का फल होता है। मौर्य काल में आम के पेड़ रोड के किनारे लगाए जाते थे जिन्हें समृद्धि का प्रतीक माना जाता था। आम का पेड़ 60 फीट तक ऊंचा हो सकता है और 4 से 6 साल में ही आम देने लगता है। आम का पेड़ पत्तियों से कार्बन डाइऑक्साइड सोख लेता है और इसका उपयोग अपने तने, शाखों के लिए करता है। इसलिए आम की पत्तियों को शादियों के मंडपो, घरों में तोरण के रूप में लगाई जाती हैं।

मप्र में उत्पादन- मध्यप्रदेश में पिछले 8 सालों के आम उत्पादन, क्षेत्र और उत्पादकता के आंकड़ों का अध्ययन करने से पता लगता है कि आम फल का उत्पादन और क्षेत्र लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2016-17 में उत्पादकता प्रति हेक्टेयर 13.03 मीट्रिक टन थी जो 2023-24 में बढ़कर 14.66 हो गई है। इसी प्रकार 2016-17 में आम का क्षेत्र 43609 हेक्टेयर थाहो गयाजो अब बढ़कर 64216 हो गया है। इसी दौरान उत्पादन 5,04,895 मेट्रिक टन था जो अब बढ़कर 9,41, 352 मीट्रिक टन हो गया है।

पेज 1 का शेष

मुख्यमंत्री मोहन यादव की सभा में जमकर बरसे बदरा

डमरू पार्टी रही आकर्षण का केंद्र- मुख्यमंत्री के अगवानी के लिए महाकाल की नगरी उज्जैन से बुलाई गई जय महाकाल डमरू पार्टी आकर्षण का केंद्र नहीं। 15 युवकों की इस डमरू टीम के प्रदर्शन को सभी ने सराहा।

ताप्ती लोक पर कुछ नहीं बोले मुख्यमंत्री- मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का जिले में प्रथम आगमन मुलताई होने को लेकर अनेक मायने निकाले जा रहे थे। यह माना जा रहा था कि पूर्व में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा की गई ताप्ती कॉरिडोर की घोषणा का क्रियान्वयन प्रारंभ हो सकता है। या ताप्ती विकास को लेकर कोई महत्वपूर्ण घोषणा हो सकती है । यह भी चर्चा थी कि पॉलिटेक्निक कॉलेज की घोषणा हो सकती है या मुख्यमंत्री कुछ बड़ी सौगात नगर को दे जाएंगे किंतु इस संबंध में मुख्यमंत्री ने कोई आश्वासन नहीं दिया। उन्होंने आम सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हर ग्राम पंचायत में गौशाला का निर्माण होगा। जिले में युवाओं को रोजगार उपलब्ध करने की योजना बनाई जाएगी।

1008 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन- मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बैतूल जिले के लिए 347 करोड़ के 1008 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इसके बाद कन्या पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की।

बैतूल में आरंभ होंगे उद्योग- उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत को विश्व का नंबर 1 देश बनाने हेतु हम कृत संकल्पित हैं। लोकसभा चुनाव में प्रदेशवासियों ने प्रधानमंत्री के प्रति अपने विश्वास को अभिव्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि प्रधानमंत्री की मंशा के अनुरूप कोई भी गरीब बिना पक्के मकान के नहीं रहेगा। पात्र परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराने के लिए 3 करोड़ पक्के मकान बनाने जा रही है। हर घर जल और हर नल में जल अभियान भी प्रदेश में जारी है। सभी पंचायतों में नल से जल और हर घर में गैस का चूल्हा उपलब्ध कराने के लिए सरकार कृत संकल्पित है। युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए शासन द्वारा विशेष पहल की जा रही है। स्थानीय युवाओं को जिले में ही रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में भी उद्योग लगाने की योजना है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा लोक स्वास्थ्य लिए संचालित योजनाओं की जानकारी देते हुए सभी को आयुष्मान कार्ड बनवाने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में तीर्थ यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर सेवा आरंभ की जा रही है। प्रदेश के युवा हेलीकॉप्टर और विमान चलाना सीखें, इस उद्देश्य से आवश्यक प्रशिक्षण व कोर्स आरंभ किए जा रहे हैं, इसके अंतर्गत जिलों में उपलब्ध हवाई पट्टियों का उपयोग युवाओं को पायलट के रूप में प्रशिक्षित करने के लिए किया जाएगा।

गौशालाओं को अनुदान के रूप में दी जाने वाली राशि दोगुनी- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान राम और श्री कृष्ण के प्रदेश में जहां-जहां चरण पड़े हैं, ऐसे प्रत्येक स्थान को तीर्थ के रूप में विकसित किया जाएगा, ताप्ती धाम का भी विकास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में गौ माता में 33 करोड़ देवी देवताओं का वास माना गया है। राज्य सरकार प्रत्येक गाय की चिंता करने का कार्य कर रही है। गौशालाओं को दिए जाने वाले अनुदान की राशि दुगनी कर दी गई है, शीघ्र ही दूध पर बोनस देना आरंभ किया जाएगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान में 41.46 करोड़ के हो रहे कार्य- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 212 से अधिक नदियां हैं। बैतूल और आसपास के जिलों में ताप्ती मैया का महत्व माँ गंगा के समान है। जल गंगा संवर्धन अभियान प्रदेश की सभी पवित्र नदियों और सभी जल स्रोतों के रखरखाव और उनके संरक्षण को समर्पित है। प्रदेश में अब तक 1 लाख 12 हजार से अधिक लोगों ने इस अभियान में सक्रिय सहभागिता की है। बैतूल जिले में लगभग 41 करोड़ 46 लाख रुपए लागत के जल संवर्धन और जल संरक्षण के कार्य जारी हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में 39 करोड़ 53 लाख रुपए लागत के 1300 से अधिक कार्य और नगरीय क्षेत्र में एक करोड़ 92 लाख रूपए की लागत के 800 से अधिक कार्य जारी है। मनरेगा के माध्यम से 5 हजार से अधिक कार्य बैतूल जिले में चल रहे हैं। नगरीय क्षेत्र में 114 से अधिक रिचार्जिंग के कार्य भी जारी हैं। जिले में 119 से अधिक कुओं और बावड़ियों पर भी काम किया जा रहा है। जिससे जल संवर्धन में सभी की भागीदारी सुनिश्चित होगी।

बारिश के समय टेंट से निकल रही महिला को लगा करंट

आमसभा समाप्ति के बाद बारिश के दौरान आम सभा स्थल के पिछले भाग में लगे कूलर के पास से आम सभा टेंट से बाहर निकल रही बरखेड़ निवासी सकुन चिंदया साहू 62 वर्ष एवं रूपाली साहू 12 वर्ष को करंट लग गया। इसके बाद उसे तत्काल एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां उसका उपचार किया गया। महिला और बालिका दोनों सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ एसएमएस की बैठक आज

टी.वी. सोमनाथन कमेटी की रिपोर्ट और पेंशनरों के निर्णयों पर होगी चर्चा

बैतूल। कोयला खदान सेवा निवृत्त कर्मचारी संघ एसएमएस की बैठक आज सुबह 11 बजे शहीद भवन में आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष दिनकर साहू करेंगे और महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी।दिनकर साहू ने बताया कि टी.वी. सोमनाथन कमेटी की रिपोर्ट भारत सरकार को 2023 में सौंप दी गई है, और इसकी कॉपी प्राप्त हो चुकी है। इस रिपोर्ट के बारे में विस्तृत जानकारी बैठक में दी जाएगी। इसके अलावा, 11 जून को ऑल इंडिया कोल पेंशनर्स एसोसिएशन की जूम मीटिंग में लिए गए निर्णयों की भी जानकारी दी जाएगी।साहू ने बताया कि 31 जनवरी 2024 को कोल सचिव श्रीमती बरार से चर्चा के दौरान उन्होंने मार्च में पेंशनरों की समस्याओं पर पूर्ण विचार कर निर्णय लेने का आश्वासन दिया था। इन सभी बातों को बैठक में विस्तार से बताया जाएगा। पेंशनरों से अधिक संख्या में उपस्थित होकर जानकारी प्राप्त करने की अपील की गई। बैठक में डी.के. साहू (अध्यक्ष), डी.आर. झरबडे, माणिकराव कापसे (उपाध्यक्ष), अजय सिंह राजपूत, दिनेश कुमार शर्मा, रामदास पंडाग्रे, नागोराव वागदरे, शिवदयाल चौकीकर, रायमल वरवड़े, अजाबराव भूमरकर, मानक प्रसाद वाईकर, कृष्णराव उबनारे, पूरनलाल मालवीय, शिवप्रसाद मालवी, राजेश अवस्थी, नारायण मिश्रा, बी.आर. गव्हाडे, उमराव उबनारे आदि एचएमएस परिवार के सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

17-18 वर्षों से कार्यरत दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की हो रही अनदेखी

- मुख्यमंत्री के मुलताई नगर आगमन पर समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन
- नियमितीकरण की मांग को लेकर नगर पालिका परिषद बैतूल के कर्मचारियों की मुख्यमंत्री से गुहार

बैतूल। मुख्यमंत्री मोहन यादव के मुलताई नगर आगमन पर नगर पालिका परिषद बैतूल के दैनिक वेतन भोगी एवं संविदा कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने अपनी नियमितीकरण की मांग करते हुए कहा कि वे पिछले 17-18 वर्षों से निरंतर महत्वपूर्ण कार्यों में जुटे हैं, लेकिन अभी तक उन्हें स्थायी नहीं किया गया है।

नगर पालिका परिषद बैतूल के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी जल प्रदाय कार्य, सफाई कार्य तथा मूलभूत आवश्यक कार्यों में लगे हुए हैं। उन्होंने कोरोना काल के दौरान भी अपनी जान जोखिम में डालकर सड़कों पर काम किया, लेकिन इसके बावजूद उनकी मांगों की लगातार अनदेखी हो रही है। कर्मचारियों ने बताया कि वे बार-बार ज्ञापन पत्र प्रेषित कर चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई है।

कम मानदेय में गुजर-बसर करने में हो रही कठिनाई- कर्मचारियों ने बताया कि बेहद कम मानदेय में उनके परिवार का गुजर-बसर करना मुश्किल हो रहा है। इसके चलते उनमें असंतोष व्याप्त है। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की कि वे उनकी समस्याओं को समझें और जल्द से जल्द उनके नियमितीकरण की प्रक्रिया शुरू करें। कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी समस्याओं को रखते हुए जल्द समाधान की मांग की है।

प्रमुख कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन- ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से अध्यक्ष अमित सक्सेना, सुशील रागड़े, प्रमोद कुमार ढेकले, राजाराम यादव, मधु चौकीकर, दीपक यादव, रामशंकर गाडगे, रोहित बंजारे, रितेश बसकार, राजेश छिपने, अनिल पाल, धीरज पवार, पिंटू बोडखे, हंसराज पवार, जगदीश साहू, अल्केश पवार, कमलेश बघेल, विजय नागले, फहीम शाह, कृष्ण यादव, मुकेश यादव, लक्ष्मी नारायण, शैलेंद्र पांसे, शैलेंद्र साहू और विजय दवनडे शामिल थे।

रक्तदान को लेकर बैतूल में रक्तक्रांति कार्यक्रम अभिनव प्रयास : विधायक हेमंत खंडेलवाल

जिला एवं सत्र न्यायाधीश और जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर रैली को किया रवाना

बैतूल। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर बैतूल में रक्तदान जागरूकता के लिए विशाल रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का आयोजन ताप्ती दर्शन, मां शारदा सहायता समिति, अग्रवाल समाज बैतूल, जिला औषधि विक्रेता संघ बैतूल, प्रत्याशा महिला संघ, पत्रिका, और राजपूत समाज के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। रैली की शुरुआत जिला चिकित्सालय से झांकियों, डीजे, बाजे, और मशाल के साथ की गई। रैली को बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, घोड़ाडोंगरी विधायक श्रीमती गंगा बाई उइके, नगरपालिका की अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाई बारस्कर, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सिविल सर्जन डॉक्टर अशोक बारंगा, और डॉक्टर डब्लू ए नागले ने पूजा कर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कार्यक्रम संयोजक संजय शुक्ला, शैलेंद्र बिहारिया, और पंजाबराव गायकवाड ने बताया कि रैली के शुभारंभ पर मशाल थामकर हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि बैतूल जिले में रक्तदान को लेकर रक्तक्रांति आई है और यह कार्यक्रम एक अभिनव प्रयास है। उन्होंने इस ऐतिहासिक कार्यक्रम की सराहना करते हुए रक्तवीरों को बधाई दी। रैली में मशाल के साथ रक्तदान की झांकी, सैनिक संघ की झांकी, और हाथों में रक्तदान के झंडे व तख्तियां लेकर लोग चल रहे थे। नगर भ्रमण के दौरान जगह-

जगह रक्तवीरों का जोरदार स्वागत किया गया। रैली में जिले भर से लोग शामिल हुए और रैली का समापन शिवाजी ओपन ऑडिटोरियम में हुआ।

रक्तक्रांति सम्मान समारोह- शिवाजी ओपन ऑडिटोरियम में रक्तदान समितियों को प्रोत्साहित करने के लिए भव्य रक्तक्रांति सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सर्वप्रथम राष्ट्रगान से मंचीय कार्यक्रम का आगाज हुआ, जहां प्रमोद अग्रवाल, मंजीत सिंह चौहान, सिविल सर्जन डॉक्टर अशोक बारंगा, ब्लड बैंक अधिकारी डॉक्टर अंकित श्रीवास्तव, प्रशांत गर्ग, डॉक्टर कृष्णा पाटनकर, हेमंत बत्रा, सुदामा सूर्यवंशी, निर्मला सोनी, रमेश बोरखाड़े, जिला विधिक सचिव डॉक्टर महजबीन खान, मां शारदा समिति के संरक्षक संजय शुक्ला, अध्यक्ष पिंकी भाटिया, पंजाबराव गायकवाड, महिला अध्यक्ष सुश्री तूलिका पचौरी, कार्यकारी अध्यक्ष हिमांशु सोनी, हेमा सिंह चौहान, समाजसेवी मुकेश गुप्ता, समाजसेवी सोनू सलूजा, सेन समाज के अध्यक्ष रमेश बोरखड़े, कुंबी समाज के अध्यक्ष दिनेश महस्की, और गायत्री परिवार के संभाग प्रमुख उत्तमराव गायकवाड मुख्य रूप से उपस्थित थे। समारोह में वर्ष भर रक्तदान करने वाली समितियों को रक्तक्रांति सम्मान से नवाजा गया। सर्वप्रथम जनसेवा कल्याण समिति, तपश्री ग्रामीण रक्तदान मंडल चिचोली, बचपन प्ले स्कूल आमला, और बालाजी ग्रुप भीमपुर को सम्मानित किया गया। साथ ही 70 संस्थाओं को रक्तक्रांति सम्मान के साथ पौधे भी भेंट किए गए।

इनका रहा विशेष योगदान- कार्यक्रम में प्रितमसिंग मरकाम, मनोज तिवारी, चंचल पांसे, प्रकाश बंजारे, आशीष यादव, घनश्याम राठौर, संतोष धुर्वे, डॉक्टर सागर, सागर सिंह चौहान, राहुल सैंडी, सुरेंद्र आर्य, विजय पटैया, श्रीराम भुस्कुटे, गिरीश मालवीय, आशीष भुसारी, सचिन रॉय, रघुकुल डिफेंश एकेडमी, प्रमिला धोत्रे, हेमासीह चौहान, निमिष मालवीय, जलदीप वर्मा, हरिशंकर धुर्वे, यदोराव नागले, और सुनील पंडाग्रे का सहयोग रहा। इस अवसर पर सुबह 9 बजे रक्तदान शिविर की शुरुआत श्रीमती सुषमा सोनी, श्रीमती सीमा मिश्रा, निमिष मालवीय, श्री व्यास, और प्रकाश बंजारे ने रक्तदान करके की। मंच का सफल संचालन शैलेंद्र बिहारिया ने किया। उन्होंने कहा इस रक्तदान जागरूकता अभियान ने बैतूल जिले में रक्तदान को लेकर एक नई ऊर्जा और जागरूकता पैदा की है।

केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके का किया भव्य स्वागत

बैतूल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में पहली बार बैतूल जिले से केंद्रीय राज्यमंत्री बने दुर्गादास उइके का आज शुक्रवार को रोड शो के दौरान कारगिल चौक बैतूल पर नपाध्यक्ष श्रीमती पार्वतीबाई बारस्कर सहित बड़ी संख्या में उपस्थित कुंबी समाज की महिलाओं एवं भाजपा के पदाधिकारी-कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस अवसर पर उनके साथ जिला मुख्यालय के विधायक हेमंत खण्डेलवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला, उपाध्यक्ष जिला पंचायत बैतूल हंसराज धुर्वे, पार्षद गीतेश बारस्कर, राजा वाग्रदे, कृष्णा वाग्रदे सहित बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी-कार्यकर्ताओं उपस्थित थे।

पत्नि के हत्यारे आरोपी को आजीवन कारावास की सजा

नरसिंहपुर। न्यायालय प्रथम सत्र न्यायाधीश नरसिंहपुर श्री अखिलेश कुमार धाकड के न्यायालय द्वारा आरोपी भागवत रघुवंशी को आजीवन कारावास एवं 1000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया है। जिला मीडिया सेल प्रभारी द्वारा बताया गया कि दिनांक 09/11/2023 को ग्राम कोटवार आकाश मेहरा निवासी सिमरिया कला ने मोबाईल से सूचित किया था कि कुलदीप प्रजापति के खेत पर बनी टपरिया में गौरी बाई पति भागवत रघुवंशी उम्र 35 साल निवासी ग्राम हिरदेनगर थाना महाराजपुर जिला मंडला मृत अवस?था में पडी है।

जाहिर सूचना
समक्ष श्रीमान जिला नोटरी महोदय, बैतूल

सैफुद्दीन गुडविल वाला वल्द जैनुद्दीन गुडविल वाला, उम्र 64 वर्ष निवासी आजाद वार्ड क्रं. 8 तहसील जिला बैतूल... शपथकर्ता

शपथ पत्र

मैं उपरोक्त शपथकर्ता निम्न कथन शपथ-पूर्वक करता हूँ कि-
1- यह कि मैं शपथकर्ता उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूँ।
2-यह कि शपथकर्ता का पूर्व में बना आधार कार्ड में मेरा नाम सैफुद्दीन था। इसी नाम से मुझे जाना जाता था। वर्तमान में मेरे आधार कार्ड में मेरे नाम के बाद सैफुद्दीन गुडविल वाला दर्ज कराया है।
3-यह कि पुर्व में बने आधार कार्ड में मेरा नाम मात्र सैफुद्दीन दर्ज था। अब मेरा नाम आधार कार्ड में सुधार के बाद मेरा नाम सैफुद्दीन गुडविल वाला दर्ज हुआ है।
4-यह कि मैं वर्तमान में सैफुद्दीन गुडविल वाला के नाम से ही जाना पहचाना जाता हूँ। अत: उक्त कथनो की सत्यता में शपथ पत्र तहरीर है।
बैतूल ...शपथकर्ता/सूचना कर्ता
दि.-16/04/24

सैफुद्दीन गुडविल वाला
वल्द जैनुद्दीन गुडविल वाला
निवासी आजाद वार्ड क्र. 8
तहसील जिला बैतूल मो.-9425068572

जाहिर सूचना
समक्ष श्रीमान जिला नोटरी महोदय, बैतूल

मोइज गुडविल वाला वल्द सैफुद्दीन गुडविल वाला उम्र 35 वर्ष निवासी आजाद वार्ड क्रं. 8 तहसील जिला बैतूल... शपथकर्ता

शपथ पत्र

मैं उपरोक्त शपथकर्ता निम्न कथन शपथ-पूर्वक करता हूँ कि-
1- यह कि मैं शपथकर्ता उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूँ।
2- यह कि शपथकर्ता का पूर्व में बना आधार कार्ड में मेरा नाम मोईज था। इसी नाम से मुझे जाना जाता था। वर्तमान में मेरे आधार कार्ड में मेरे नाम के बाद मोईज गुडविल वाला दर्ज कराया है।
3- यह कि पुर्व में बने आधार कार्ड में मेरा नाम मात्र मोईज दर्ज था। अब मेरा नाम आधार कार्ड में सुधार के बाद मेरा नाम मोइज गुडविल वाला दर्ज हुआ है।
4- यह कि मैं वर्तमान में मोइज गुडविल वाला के नाम से ही जाना पहचाना जाता हूँ । अत: उक्त कथनो की सत्यता में शपथ पत्र तहरीर है।
बैतूल ...शपथकर्ता/सूचना कर्ता
दि.-16/04/24

मोइज गुडविल वाला
वल्द सैफुद्दीन गुडविल वाला
निवासी आजाद वार्ड क्र. 8
तहसील जिला बैतूल मो.-9424480452

पतंजलि भारत स्वाभिमान न्यास द्वारा आज से दिया जाएगा निःशुल्क योग प्रशिक्षण

बैतूल। पतंजलि भारत स्वाभिमान न्यास द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में निःशुल्क योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर आज 15 जून से 20 जून तक प्रतिदिन प्रातः 5:30 से 7 बजे तक छत्रपति शिवाजी महाराज ओपन ऑडिटोरियम और कर्मा मंगल भवन कालापाठा बैतूल में आयोजित होगा। न्यास के जिला प्रभारी सुनील कुबड़े ने सभी नागरिकों से इन शिविरों का लाभ लेने का आव्हान किया है। उन्होंने बताया कि ऑडिटोरियम में संगठन के युवा प्रभारी हितेश पटेल और

योग शिक्षक रामदयाल बोरबन प्रशिक्षण देंगे, जबकि कर्मा मंगल भवन में सुनील कुबड़े और प्रीति साहू द्वारा योग प्रशिक्षण दिया जाएगा।इसके अलावा, पूरे जिले की अलग-अलग तहसीलों में भी पतंजलि योग समिति द्वारा योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों का उद्देश्य योग के माध्यम से नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के महत्व को बताना है।पतंजलि भारत स्वाभिमान न्यास द्वारा आयोजित इन निशुल्क योग शिविरों का लाभ उठाकर नागरिक अपने स्वास्थ्य में सुधार ला सकते हैं और योग के महत्व को समझ सकते हैं।

शिक्षा के अधिकार का उपहास न उड़े !

सामयिक

गिरीश पंकज

लेखक स्तंभकार हैं।

दे श भर का यह सर्वे चौंकाने वाला है कि कुछ निजी स्कूलों में पढ़ने वाले गरीब बच्चे बाद में स्कूल से अपना नाम कटवा लेते हैं। इसे अँग्रेज़ी भाषा में ड्रॉप आउट कहते हैं। मैं यह जान कर चकित हूँ कि ऐसे बच्चों की संख्या 60- 70 प्रतिशत तक होती है । मतलब यह किया कर अगर 1000 बच्चे प्रवेश लेते हैं तो एक-दो साल बाद उसमें से 6-700 बच्चे अपना नाम कटवा लेते हैं! कहने को तो शिक्षा का अधिकार (राइट टू एजुकेशन -आरटीई) लागू कर दिया गया है इसलिए निजी स्कूल बाध्य हैं कि उन्हें गरीब बच्चों को भी प्रवेश देना होगा । सरकार की यह मंशा बहुत अच्छी है। सराहनीय है समतावादी सोच को दर्शाने वाली है। लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है कि निजी स्कूल के संचालक चाहते ही नहीं कि वहां उनके स्कूलों में गरीब बच्चे पढ़ें। और यह भी सच है कि गरीब बच्चे कब तक उन स्कूलों के ताम-झाम को झेल सकते हैं । बेशक फीस, स्कूल-ड्रेस, महंगी पाठ्य-पुस्तकों का ख़र्च सरकार उठती है, लेकिन वहाँ जो भेदभाव होता है, वह बड़ी समस्या है। यह गरीब माता-पिता कैसे वहन कर सकते हैं। अपने साथ होने वाले व्यवहार से गरीब अभिभावक और बच्चे हीनता के बोध से भर जाते हैं । वरना जब सरकार सारा खर्च उठाती है तो और क्या कारण हो सकता है । अमीर घरों के बच्चे गरीब बच्चों से एक दूरी बनाकर रखते हैं। यह सहज मानसिकता है। अमीरी की अपनी एक ठसन होती है। गरीब बच्चे ये ठसन कहां से लाएं? तब वे प्राइवेट स्कूल से बाहर निकल कर किसी सरकारी स्कूल में दाखिला लेने की कोशिश करते हैं। स्कूल में कहीं भी यह आभास नहीं होना चाहिए कि गरीब घरों के बच्चे बच्चों से दोयम दर्जे का व्यवहार किया जा रहा है । स्कूलों में होने वाली हर गतिविधि में शिक्षा की अधिकार के तहत भर्ती किए गए बच्चों की भागीदारी होनी चाहिए। चाहे वह वार्षिक समारोह हो या खेलकूद। अगर कहीं बच्चे-बच्चों के साथ कोई भेद होता है, तो किसी बच्चे की शिकायत पर स्कूल प्रबंधन को दंडित किया जाना चाहिए। अगर ऐसा हो सके तो प्रबंधन बच्चों के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार नहीं करेगा।

अगर गरीब घरों के बच्चे अधिक संख्या में स्कूल से अपना नाम कटवा रहे हैं तो उसे स्कूल पर शिक्षा अधिकारी को कार्रवाई करनी चाहिए। स्कूल को कारण बताओ नोटिस देना चाहिए। बच्चों से भी यह कारण पूछा जाना चाहिए वे स्कूल क्यों छोड़ रहे हैं। अगर उसके कारण में विषमता के व्यवहार वाली कोई बात उभर कर सामने आती है, तो स्कूल प्रबंधन पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। सरकार आदेश जारी करके निजी स्कूलों को सख्त निर्देश दे कि अगर आपके यहां से आरटीई के तहत भर्ती किए गए बच्चे ड्रॉप आउट करेंगे तो आप पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। स्कूल की मान्यता भी रद्द की जा सकती है। जब तक प्राइवेट स्कूलों पर इस तरह का दबाव नहीं बनाया जाएगा,गरीब बच्चे स्कूल से अपना नाम कटवाते रहेंगे।

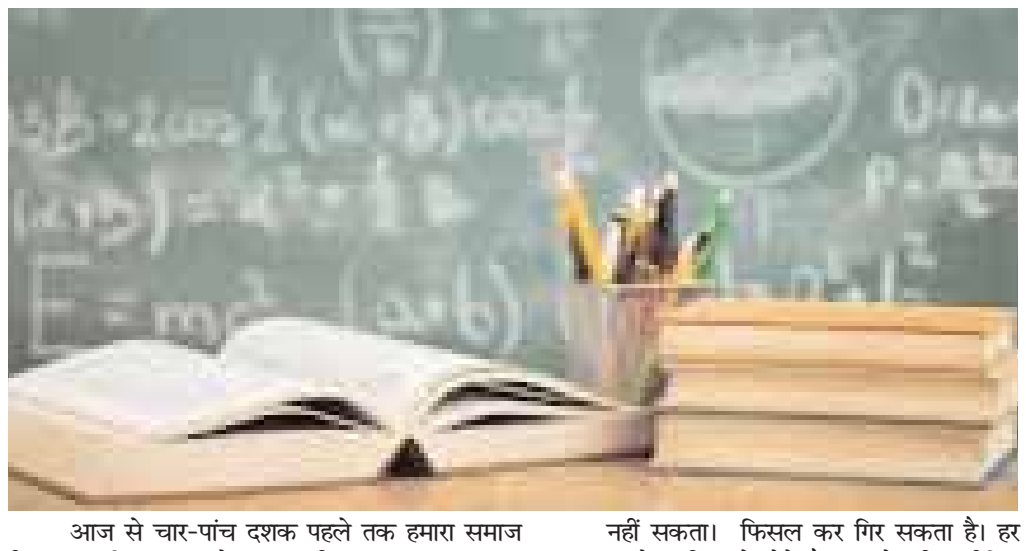

आज से चार-पांच दशक पहले तक हमारा समाज विशुद्ध रूप से समतावादी नजर आता था । जहां अमीर और गरीब घर के बच्चे एक साथ पढ़ा करते थे । खेला करते थे। वह एक सुंदर समय था। सेठ किरोड़ीमल का लड़का और छोटा-मोटा काम करने वाले समारू का लड़का भी एक साथ पढ़ा करते थे। लेकिन जब से धीरे-धीरे समाज में तथाकथित आधुनिकता आती गई, दिखावे की प्रवृत्ति बढ़ती चली गई, तब से कॉन्वेंट स्कूलों की संख्या बढ़ती चली गई ।प्राइवेट स्कूल खुलते चले गए । और कुछ प्राइवेट स्कूलतो पंचतारा होटल की तरह होते हैं। कभी-कभार मुझे अतिथि के रूप में कुछ स्कूलों में जाने का अवसर मिला है । वहाँ सँभल कर चलना पड़ता है। शाला भवन की फर्श इतनी चिकनी होती है कि कोई बच्चा उस पर दौड़ ही नहीं सकता। फिसल कर गिर सकता है। हर कमरे एसी वाले होते हैं। बच्चों की शारीरिक गतिविधियां कम होती हैं। ऐसी स्थिति में बच्चे स्वास्थ्य की दृष्टि से कमजोर होते चले जाते हैं। वहाँ अँग्रेज़ी और अंग्रेज़ियत पर बड़ा जोर दिया जाता है। पता नहीं ये स्कूल बच्चे को क्या बनाना चाहते हैं। दरअसल पब्लिक स्कूल बच्चों को भारतीयता से काट रहे हैं। पब्लिक स्कूल परिसर में अँग्रेज़ी बोलना अनिवार्य है। आपस की बातचीत भी अँग्रेज़ी में होनी चाहिए वरना बच्चों को जुर्माना भरना पड़ता है । ऐसे स्कूलों में जब कोई गरीब बच्चा आरटीई के तहत भर्ती होकर पढ़ने आता है, तो वह घबरा जाता है । वह अँग्रेज़ी बोलने में उतना सहज नहीं होता। वह बोल नहीं पाता। इस कारण उसे मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ती है। इसलिए वह इससे बचने के लिए स्कूल छोड़ना ही बेहतर समझता है। इसलिए सरकार यह भी निर्देश भी दे कि स्कूल प्रबंधन किसी भी बच्चे को परिसर में अँग्रेज़ी बोलने के लिए बाध्य ही नहीं कर सकता । विषय के रूप में पढ़ाई की बात अलग है।

मैं तो इस बात का पक्षधर हूँ कि इस देश में पब्लिक स्कूलों का सरकार अधिग्रहण कर ले। या फिर जो सरकारी स्कूल हैं, उसको पब्लिक स्कूल के भवनों की तरह भी 'भव्य' बनाने की कोशिश करे। सरकारी स्कूलों में नियमित परीक्षण हो। वहां पढाने वाले शिक्षकों की योग्यता की भी समय-समय पर परीक्षा हो । यह देखा जाए कि वह सही ढंग से बच्चों को शिक्षित कर पा रहे हैं या नहीं । अब यह कोशिश भी होनी चाहिए कि नए पब्लिक स्कूल खोले ही ना जाएँ। जो सरकारी विद्यालय हैं, उन्हें ही बेहतर किया जाए। सरकार के पास करोड़ों रुपए का फंड होता है। उसे फंड का एक बड़ा हिस्सा शैक्षिक उन्नयन में लगाना चाहिए। सरकारी स्कूलों का मतलब अब यही हो गया है कि भवन जर्जर होगा। वहाँ प्रतिभाहीन शिक्षक होंगे। खराब से दिखने वाले स्कूल ड्रेस में बच्चे होंगे। पता नहीं कब सरकारी स्कूल निजी स्कूलों की तरह सुविधासंपन्न बन सकेंगे। जो भी हो मगर वर्तमान समय में इतना तो किया ही जा सकता है कि जो गरीब बच्चे पब्लिक स्कूलों में पढ़ रहे हैं, वे किसी भी हालत में स्कूल न छोड़ें। और अगर छोड़ते हैं, तो उनके कारणों की कड़ी पड़ताल की जाए। अगर जाँच में वहाँ विषमतावादी नजरिया दिखता है, तो उन स्कूलों पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह का दौरा कार्यक्रम

नरसिंहपुर। प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह शनिवार 15 जून को जिले के प्रवास पर रहेंगे और विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। जारी दौरा कार्यक्रम के अनुसार मंत्री श्री सिंह 15 जून को दोपहर 2 बजे लोलरी से गाडरवारा के लिए प्रस्थान करेंगे। इसके पश्चात अपरान्ह 3 बजे वे शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाडरवारा के ऑडिटोरियम में नव निर्वाचित सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी के सम्मान समारोह में शामिल होंगे। इसके बाद मंत्री श्री सिंह अपरान्ह 4.30 बजे कृषि उपज मंडी सालीचौका के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके पश्चात शाम 5.45 बजे ग्राम आडेगांव कला में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में शामिल होंगे और शाम 6.45 बजे ग्राम ढिगसरा में जय गुरुदेव सत्संग कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके पश्चात वे सायं 7.30 बजे पोडार (सालीचौका) में माइलस्टोन इंटरनेशनल स्कूल के उद्घाटन समारोह के कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद रात्रि 9 बजे लक्ष्मी टाउनशिप गाडरवारा आयेंगे। यहां उनका समय आरक्षित रखा गया है।

एन.सी.सी. कैडेट्स द्वारा तालाब की साफ-सफाई

नरसिंहपुर। स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन एवं जल संरक्षण पखवाड़ा मनाया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम के परिपालन नरसिंह मंदिर में स्थित नरसिंह तालाब में एन.सी.सी. कैडेट्स द्वारा तालाब की साफ सफाई की गयी। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. ममता शर्मा के मार्गदर्शन एवं लेफ्टिनेंट डॉ. राजेश कुमार ठाकुर एनसी.सी. अधिकारी के निर्देशन में किया गया।कार्यक्रम में युवराज लोधी, सीनियर कैडेट, संदीप ठाकुर, सौरभ प्रजापति, भावेश ठाकुर, शिवानी जाटव, शिवम ठाकुर, की अहम भूमिका रही। फोटो पहचान एनएसपी 3

माह जून हेतु महिला एवं पुरूष नसबंदी शिविर आयोजित होंगे

नरसिंहपुर। परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत माह जून-2024 में जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में महिला एवं पुरूष नसबंदी (एनएसव्हीटी/ एलटीटी) फिक्स- डे सेवा स्थल चिन्हांकित किया गया है। एलटीटी/ एनएसव्हीटी सर्जन जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर डॉ. इति चांदोलकर एवं सहायक सर्जन डॉ. नम्रता शुक्ला द्वारा जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में नसबंदी ऑपरेशन बुधवार एवं गुरूवार को किये जायेंगे। फिक्स डे स्टेटिक सेवा स्थल पर मानकों के आधार पर सेवायें दी जावेंगी। जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में महिला एवं पुरूष नसबंदी 19 व 25 जून को ग्रामीण व शहरी नरसिंहपुर और 20 व 27 जून करेली क्षेत्र के हितग्राही शामिल होंगे। यह जानकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश बोहरे ने दी है।

समीक्षा बैठक में नवीन शिक्षण सत्र को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

नरसिंहपुर। शैक्षणिक सत्र 2024- 25 में शालाओं में आवश्यक तैयारियां करने एवं शाला में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का सफल क्रियान्वयन के लिए जिले के नरसिंहपुर जनपद शिक्षा केंद्र अंतर्गत आने वाली 10 जन शिक्षा केंद्र पर सभी संस्था प्रमुख की जनशिक्षा केंद्र स्तरीय बैठक सम्पन्न हुई। शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में सहायक संचालक शिक्षा सह विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुश्री प्राशी अग्रवाल, विकासखंड सह समन्वयक श्री विजय नामदेव, जन शिक्षा केंद्र प्रभारी प्राचार्य श्रीमती आशा नेमा, जनशिक्षक एचपी कोरी व राजकुमार कुशवाहा मौजूद थे। बैठक में सभी संस्था प्रमुख को निर्देश देते हुए बीआरसी एवं बीईओ ने कहा कि नवीन शैक्षणिक सत्र पर शासन की मंशा अनुरूप हो। समस्त प्रधानपाठक पाठ्यपुस्तक वितरण ट्रेकिंग एप को अपडेट करें। पुस्तकों को रिसीव कर तत्काल एप पर छात्रवार वितरण दर्ज करें। बच्चों को पुस्तकें प्रदान कर विधिवत कक्षाओं का संचालन करते हुए बच्चों को अध्यापन करावें। समस्त शिक्षक एवं प्रधानपाठक प्रतिदिन डेलीडायरी संधारित करेंगे। समस्त प्रधानपाठक 18 जून से प्रतिदिन मध्यान्ह भोजन के मैसेज पीएम पोषण एप पर भेजेंगे। कक्षा पहली में एक अप्रैल की स्थिति में को बच्चा 6 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका हो उसे ही प्रवेश दे।

केंद्र में मंत्री बन पहली बार लाड़ली नेत्री के स्वागत में सैलाब, हर कोई स्वागत करने को था आतुर...

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर के प्रथम आगमन पर धार –महू लोकसभा क्षेत्र में उत्सवी और उल्लासी बयार

धार – महू से राजेश शर्मा की ग्राउंड रिपोर्ट..

जहां से संघर्ष कर राजनीति का ककहरा सीखा... जिस माटी में पली - बढ़ी, राजनैतिक संस्कार और जनसेवा का पाठ पढ़ा ... बाबा साहेब डा. अंबेडकर जी की नगरी महू , भाजपा के पितृ पुरुष कुशाभाऊ ठाकरे जी की नगरी धार से एक साधारण सी कार्यकर्ता से केंद्र में मंत्री बनने तक का सफर तय कर सब की लाड़ली नेत्री सावित्री ठाकुर के स्वागत में महू से एशिया के डेट्रायट पीथमपुर से धार तक अलौकिक- अप्रतिम - अचंभित करने वाला सैलाब, मानों सैलाब उमड़ आया हो सड़कों पर .. अपनी लाड़ली के स्वागत में बाबा धारनाथ - राजा भोज की नगरी का पोर- पोर मानों उल्लासित सा था ... और हो भी क्यों नही आखिर मोदी सरकार 3.0 में केंद्र में धार- महू संसदीय क्षेत्र को प्रतिनिधित्व जो मिला है.... कई किलोमीटर लंबा रोड़ शो, जगह - जगह स्वागत मंच और सम्मान से 14 जून की बेला में धार -महु लोकसभा क्षेत्र में उत्सवी और उल्लासी बयार सा नजारा दिख रहा था..

इंदौर विमानतल पर आत्मीय स्वागत....

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर का इंदौर विमानतल पर कैबिनेट मंत्री निर्मला भूरिया और तुलसी सिलावट, विधायक गोलू शुक्ला, इंदौर ग्रामीण जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा , धार जिला भाजपा अध्यक्ष मनोज सोमानी एवं इंदौर - धार के भाजपा नेताओं ने आत्मीय स्वागत किया । एयरपोर्ट से इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव के निवास पहुंच कर सौजन्य भेट की। इसके बाद केंद्रीय राज्यमंत्री का इंदौर के राऊ चौराहे पर महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यकर्ता बहनों ने स्वागत किया। महू विधानसभा के पिगडम्बर में महाराणा प्रताप जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यकर्ताओं से भेंट की ।

डॉ. भीमराव अंबेडकर, देवी अहिल्या, जननायक क्रांति सूर्य टंट्या मामा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की....

महू के किशनगंज में आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर पौधारोपण एवं मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी प्रमाण पत्र वितरित कर महू में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया । डॉ. अंबेडकर नगर महू में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जन्मस्थली पर पुष्पांजलि अर्पित की। साथ हीअंबेडकर नगर महू में अहिल्या देवी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया ।

पातालपानी में जननायक क्रांति सूर्य टंट्या मामा जन्मस्थली प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री कविता पाटीदार के निवास पर उनके परिजनों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं से सौजन्य भेंट की ।

राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार, विधायक उषा ठाकुर, नीना वर्मा और कालू सिंह ठाकुर, इंदौर ग्रामीण जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा, धार जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी, पूर्व विधायक अंतर सिंह दरबार, संजय वैष्णव , उमेश गुप्ता प्रकाश धाकड़ ,निलेश भारती, जीवन रघुवंशी मौजूद रहे।

जिले के थानों की कानून व्यवस्था एवं अपराध समीक्षा बैठक सपन्न

नरसिंहपुर। पुलिस अधीक्षक, अमित कुमार द्वारा आयोजित की गयी जिले के सभी थानों की कानून व्यवस्था एवं अपराध समीक्षा बैठक, थाना क्षेत्रों में गौवंश के अवैध परिवहन, सट्टा, जुआ, अवैध शराब, अवैध मादक पदार्थ, चोरी की घटनाओं पर लगाएं पूर्णतः अंकुश, थाना प्रभारियों को सख्त निर्देश, शिकायतें मिलने पर की जावेगी कठोर दण्डात्मक कार्यवाही। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम नरसिंहपुर में अपराध एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की गयी। बैठक में जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नागेन्द्र पटेरिया सहित सभी अनुभागों के एसडीओपी, रक्षित निरीक्षक, थाना प्रभारी एवं चौकी प्रभारी एवं सभी शाखा प्रभारी उपस्थित हुये। थाना क्षेत्रों में गौवंश के अवैध परिवहन, सट्टा, जुआ, अवैध शराब, अवैध मादक पदार्थ, चोरी की घटनाओं पर लगाएं पूर्णतः अंकुश - समीक्षा बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले में गौवंश के अवैध परिवहन, अवैध शराब का अवैध परिवहन, विक्रय, अवैध मादक पदार्थ का विक्रय, सट्टा, जुआ एवं रेत माफियाओं एवं समस्त प्रकार के माफियाओं पर सख्ती बरतते हुये क्षेत्र में अवैध कारोबार का पूर्णतः प्रतिबंधित करने हेतु जिले के सभी एसडीओपी एवं थाना प्रभारियों को सख्ती से निर्देशित किया गया है साथ ही थाना स्तर पर प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण कर शिकायत कर्ता को संतुष्ट किया जावे एवं अनावश्यक आजमनों की शिकायतों को लंबित न रखा जावे तथा जिला एवं अनुभाग स्तर पर शिविर का आयोजन कर पीडित व्यक्तियों की शिकायत प्राप्त कर उनका त्वरित निराकरण किया जावे। पुलिस अधीक्षक, अमित कुमार द्वारा थाना प्रभारियों को सख्त निर्देश दिये गये कि उनके क्षेत्र में यदि अवैध गतिविधियों के संचालन की जानकारी प्राप्त होती है तो उनके विरूद्ध कठोर दण्डात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जावेगी। आदतन अपराधियों की जमानत निरस्तीकरण को लेकर की जावे कार्यवाही पुलिस अधीक्षक,अमित कुमार द्वारा बैठक के दौरान सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि अपने-अपने थाना क्षेत्रों के ऐसे आदतन अपराधी जो वर्तमान में जमानत है उनकी निरस्तीकरण हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जावे।

बिखर गई बजरिया सवाल उठा रही..?

सरकारी एसएनजी स्कूल पर रामलाल शर्मा स्कूल कैसे ऊग आया..?

नर्मदापुरम- संजीव डे राय

बिखर गई बजरिया देखने पहुंच रहे लोग आश्चर्य कर रहे आखिर इसकी ऐसी क्या गलती थी, क्या अपराध था, क्या नजायज़ था, धराशायी हो गया..... जबकि इसका पड़ोसी तो सरासर नाजायज है, अवैध है फिर भी सीना ताने घूर रहा, मूंछें नहीं फिर भी ताव दे रहा.. सरे आम चोरी उस पर सीना जोरी का यह पूरा मामला कलेक्टर को भी मुंह चिढ़ा रहा है, प्रशासन इतना कमजोर कैसे कि आदतन अतिक्रमण कारी के सामने घुटने टेक दे। तत्कालीन नजूल अधिकारी ओमप्रकाश प्रकाश श्रीवास्तव का प्रभारी अधिकारी जन शिकायत प्रकोष्ठ का पत्र क्रमांक टी एल 377/2002 में नर्मदा शिक्षा समिति द्वारा किए जा रहे निर्माण में अवैध कब्जे के संबंध में 2003 में लिखा गया प्रतिवेदन इस रसूखदार अतिक्रमण कर्ता की पोल खोलता है जिसने सरकारी जमीन पर सरकारी पैसों से दूकान बनाकर दूकान दारों को धोखे से दूकाने बेचीं। तत्कालीन कलेक्टर आशीष उपाध्याय के कार्यकाल में मध्यप्रदेश शासन को लिखा गया अर्द्ध शासकीय पत्र इनके द्वारा सरकारी जमीन पर अतिक्रमण किए जाने की विस्तृत रिपोर्ट बताती, इनके आदतन की पुष्टि करती है। नजूल शीट नं 43 प्लाट 15/1 पर लगभग 20 हजार फुट इस रसूखदार का (अतिक्रमण) कब्जा तत्कालीन मुख्य नगरपालिका अधिकारी नवनीत पाण्डे ने तो बगैर परिषद से प्रस्तावित कराएं उच्च न्यायालय में लिखकर दे दिया कि उनके कब्जे का भूखंड उन्हें दिए जाने पर कोई आपत्ती नहीं. ! 15/1 पर स्थित प्राथमिक शाला बजरिया को तोड़ दिया

जाने के बाद टूटे स्कूल के ठीक पीछे शासकीय एसएनजी स्कूल जो 15/2 रकबा पर बना है उस भूमि पर शिक्षाविद नगर के नामचीन व्यक्तित्व पंडित रामलाल शर्मा के नाम का स्कूल संचालित हो रहा है.. ! सरकारी एसएनजी स्कूल की जमीन में भी अतिक्रमण कर स्कूल चलाया जा रहा है कैसे..? आखिर शिक्षा विभाग, स्कूल प्रबंधन प्राचार्य सरकारी संपत्ति की रक्षा कैसे कर रहे हैं..? यहां पारिवारिक सामंत शाही के आगे कलेक्टर नतमस्तक है और अधिकारी घुटने टेक.. ! 1972 में शासनाधीन हुए एसएनजी स्कूल की भूमि का रिकॉर्ड प्रशासन अब तक दुरुस्त नहीं कर पाया। प्राथमिक शाला बजरिया नजूल शीट नं 43 15/1 म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के नाम पर दर्ज है लेकिन इसका रिकार्ड नगरपालिका के पास उपलब्ध नहीं है। उस पर पाठ्य पुस्तक निगम की अनुदान राशि 9,46,379 रुपए से 2009 में नपा उपयंत्री विष्णु प्रसाद यादव की देख-रेख में पूर्ण हुआ भवन मजबूती को लेकर प्रश्नवाचक बन गया वह इतना कमजोर कि लोकनिर्माण विभाग से भवन की सरकारी उम्र से पहले खतरनाक होने की रिपोर्ट लेकर साढ़े चौदह साल में नेस्तनाबूद कर दिया .. ! जिसे तोड़ने में जेसीबी को मशक्कत करना पड़ी.. और उसके टूटते ही सामने नये अतिक्रमण का रहस्य खुला। शासकीय एसएनजी स्कूल का भी रिकॉर्ड दुरुस्त नहीं उस पर नामचीन रसूखदार का अतिक्रमण ऐसा क्यों..? इसी प्रकार इसी शीट नंबर 43 के प्लाट 15/3 नजूल खेल मैदान दर्ज होने के बाद सरकारी जिम्मेदार उसे लावारिस मैदान के रुप में जानते हैं। आखिर कलेक्टर जिसके कांधे पर सरकारी संपत्ति और आम नागरिकों की सुरक्षा का दायित्व होता है अपना दायित्व निर्वहन में इतना कमजोर क्यों..? फिर जनसेवा की दुहाई देकर वोट मांगने वाले ईमानदार विधायक इस मामले में चुप क्यों। आज होशंगाबाद में रामदास गुबरेले, बाबू सिंह होटल वाले, राबूदा सेठ ज्ञानी मस्ते, हंसकुमार दीवान, कैलाश दुबे, कॉमरेड दत्त, कुराने वकील, चैतन्य कुमार अदालिया जैसे आवाज उठने वाले नहीं रहे शंभूनाथ गुप्ता अब लाचार हो गए वरना होशंगाबाद जागृत होता, फिर सवाल यह भी है कि नगरवासियों को हो क्या गया आने वाले अपनी संतानों के हक के लिए जो सामने नहीं आ रहे।

घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं को बिजली बिलों में राहत देने 24 हजार 420 करोड़ रूपये की सब्सिडी

भोपाल (नप्र)। प्रदेश के घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं को विगत वर्षों की तरह वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिये लागू टैरिफ दरों में राहत देने के लिये बिजली कंपनियों को अनुमानित 24 हजार 420 करोड़ 8 लाख रूपये की सब्सिडी देने का निर्णय राज्य शासन द्वारा लिया गया है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि यह सब्सिडी अटल गृह ज्योति योजना, अटल कृषि ज्योति योजना, टैरिफ सब्सिडी और निःशुल्क विद्युत प्रदाय योजना में दी जायेगी।

राज्य शासन के निर्णयानुसार फ्लैट दर पर 10 हार्सपावर तक की क्षमता वाले स्थायी कृषि उपभोक्ताओं से मात्र 750 रूपये प्रति हार्सपावर प्रति वर्ष लिये जाने के एवज में 11 हजार 943 करोड़ 98 लाख रूपये की सब्सिडी दी जायेगी। इसी तरह फ्लैट दर पर 10 हार्सपावर से अधिक क्षमता से स्थाई कृषि उपभोक्ताओं से 1500 रूपये प्रति हार्सपावर प्रति वर्ष लिये जाने की एवज में 969 करोड़ 31 लाख रूपये, 10 हार्सपावर तक की क्षमता वाले मीटर युक्त स्थाई कृषि पंप उपभोक्ताओं के लिये 50 करोड़ 63 लाख, 10 हार्सपावर से अधिक क्षमता वाले मीटर युक्त स्थाई कृषि पंप उपभोक्ताओं के लिये 3 करोड़ 22 लाख, अस्थाई कृषि पंप संयोजन के लिये 371 करोड़ 49 लाख रूपये, एक हेक्टेयर तक की भूमि वाले 5 हार्सपावर तक के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के स्थाई कृषि पंप उपभोक्ताओं को निःशुल्क विद्युत प्रदाय के लिये 5009 करोड़ 73 लाख रूपये, अटल गृह ज्योति योजना के अंतर्गत 150 यूनिट तक की मासिक खपत वाले घरेलू उपभोक्ताओं को प्रथम 100 यूनिट की मासिक खपत पर अधिकतम 100 रूपये के बिल अनुसार बिजली देने के एवज में 5866 करोड़ 26 लाख रूपये, अटल गृह ज्योति योजना में गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाले अनुसूचित जाति एवं जनजाति के घरेलू उपभोक्ताओं को केवल 25 रूपये प्रति माह की दर से 30 यूनिट बिजली देने के एवज में 36 लाख रूपये और उच्च दाब उद्वहन/समूह सिंचाई उपभोक्ताओं को वार्षिक न्यूनतम प्रभार से छूट तथा ऊर्जा प्रभार में 190 पैसे प्रति यूनिट की छूट देने के लिये 205 करोड़ 10 लाख रूपये की सब्सिडी देने का प्रावधान किया गया है।

भोपाल में यहां मिल रहे नेचुरल पके हुए आम

नूरजहां के साथ ही आम्रपाली की महक, कीमत 2000 रुपए प्रति किलो

भोपाल (नप्र)। अगर आम के शौकीन हैं और प्राकृतिक तरीके से पके हुए आम खाना चाहते हैं, तो बिट्टन मार्केट स्थित नाबार्ड कैंपस पहुंच जाइए। यहां आज से पांच दिन तक चलने वाला मैंगो फेस्टीवल शुरु हो गया है। इस फेस्टिवल में आपको एक-दो नहीं बल्कि 15-20 वैरायटी के आम का स्वाद चखने का मौका मिलेगा।

फेस्टीवल में आप एक किलो सौ ग्राम का नूरजहां आम खरीद सकते हैं। इसकी कीमत 2 हजार रुपए प्रति किलो है। ये आम दो से चार किलो तक का आता है। लेकिन, फेस्टीवल में इस बार ज्यादा वजनी आम को नहीं लाया गया है। ये आम देश भर में कहीं नहीं होता। इस किस्म के आम का उत्पादन केवल मध्य प्रदेश के आलीराजपुर जिले के कट्ठीवाड़ा में ही किया जाता है। इस आम का उत्पादन केवल 10 पेड़ों से ही किया जाता है। दरअसल इस आम को बचाना बेहद मुश्किल होता है। क्योंकि ये आम बड़ा और वजनदार होता है। भारी होने के कारण ये हल्की सी तेज हवा से ही ये पेड़ से गिर जाता है।

पहली बार आम महोत्सव में छिंदवाड़ा से जरदालु आम लाया गया है। इसकी कीमत 250 रुपए किलो है। अल्फांसो 350 रुपए किलो है।

इसके अलावा अचार के लिए अलीराजपुर से राजापुरी आम (कैरी) भी लाई गई है। 120 रुपए प्रति किलो में यहां बेचा जा रहा है। फेस्टीवल में अचार के लिए अलीराजपुर से राजापुरी आम (कैरी) भी लाई गई है। 120 रुपए प्रति किलो है।

शुगर मरीजों के लिए खास सुंदरजा आम- सुनील कुमार कहते हैं कि इस वर्ष आम महोत्सव में खास नूरजहां और सुंदरजा आम रहेंगे। सुंदरजा आम की बात की जाए तो यह एक जीआई टैग आम है। इसमें फाइबर्स नहीं होते हैं, इसकी अपनी कई तरह की खूबियां होती हैं, यह आम शुगर मरीजों के लिए भी सुरक्षित माना जाता है।

यह किस्में भी रहेंगी खास

मल्लिका- यह आम आमतौर पर भोपाल में यह कम ही मिलता है। इसकी ग्राफ्टिंग नीलम और दशहरी आम को मिलाकर की है। इसमें दोनों का स्वाद होता है। यह एक तरह का खट्टा-मीठा आम है। आमतौर पर यह शहडोल क्षेत्र में ही मिलता है। क्योंकि वहां का वातावरण इस आम के लिए अच्छा है।

आम्रपाली- यह अपनी ही तरह का आम है। इसकी ग्राफ्टिंग नीलम और मल्लिका को मिलाकर की गई है। आम तौर पर यह आम उत्तरप्रदेश में फेमस है। क्योंकि शहडोल में यूपी से सटे इलाके में इसे लगाया जाता है। इसको खाने में आपको नीलम और मल्लिका का स्वाद एक साथ मिलेगा।

मालदा- मालदा आम अपने आप में अलग होता है। इसमें गुठली छोटी होती है वहीं, पल्प यानी गूदा दूसरी वैराइटी की तुलना में 20 प्रतिशत तक अधिक होता है। इसके अलावा, यह पूरी तरह से मीठा होता है। वहीं, दशहरी और केसर में भी टेस्ट थोड़ा अलग मिलेगा। क्योंकि इलाकों के अनुसार इनके टेस्ट में भी थोड़ा अंतर होता है।

भोपाल में पेड़ बचाने चिपको आंदोलन

शिवाजी नगर में जुटेंगे रहवासी; नूतन कॉलेज के सामने पेड़ों को बांधेंगे रक्षासूत्र

भोपाल (नप्र)। भोपाल के तुलसीनगर-शिवाजी नगर इलाके में मंत्री-विधायकों के बंगलों के लिए 29 हजार से ज्यादा पेड़ काटे जाने के प्लान का विरोध हो रहा है। लगातार 2 दिन से महिलाएं, बच्चे सड़क पर उतरे। महिलाएं तो पेड़ों से चिपक कर भावुक हो गईं।

शुक्रवार को भी चिपको आंदोलन चलेगा। शिवाजी नगर स्थित नूतन कॉलेज के सामने सैकड़ों लोग जुटेंगे और पेड़ काटे जाने का विरोध करेंगे। पेड़ काटे जाने के विरोध में पूर्व मंत्री पीसी शर्मा समेत कांग्रेसियों ने पहले ही मोर्चा संभाल रखा है। वहीं, दो दिन से महिलाएं भी मैदान में उतर रही हैं। दूसरी ओर, भोजपाल जन कल्याण एवं विकास परिषद भी पेड़ों के काटे जाने के विरोध में है। इसे लेकर बैठक भी हो चुकी है। पर्यावरणविद् उमाशंकर तिवारी ने बताया, 29 हजार पेड़ों को बचाने के लिए सड़क पर उतरेंगे। ये पेड़ 50 से 70 साल तक पुराने हैं। 14 जून को शाम 6 बजे नूतन कॉलेज के सामने शिवाजी नगर में पेड़ों का पूजन रक्षा सूत्र बांधकर पेड़ों की रक्षा का वचन दोहराएंगे।

ट्रैक्टर-ट्रॉली पुलिया से 15 फीट नीचे गिरी, 5 की मौत

2 बेटियों और मां ने मौके पर दम तोड़ा, रतनगढ़ माता मंदिर जा रहे थे

दतिया (नप्र)। दतिया जिले में शुक्रवार सुबह करीब साढ़े 4 बजे ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से 5 लोगों की मौत हो गई। इनमें 3 लड़कियों और 2 महिलाएं हैं। 19 लोग घायल हैं। ट्रॉली में 30 लोग सवार थे। हादसा दुरसड़ा थाना क्षेत्र के गांव जोरा मैथाना पाली के पास हुआ। 3 मृतक एक ही परिवार के हैं। जानकारी के मुताबिक ट्रॉली में सवार लोग दीसवार गांव से रतनगढ़ माता मंदिर पर जवारे चढ़ाने जा रहे थे। गांव से 6 ट्रैक्टर एकसाथ निकले थे। एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पुलिया से 15 फीट नीचे गिरा और पलट गया। घायलों में महिला और बच्चे भी शामिल हैं। 17 को दतिया जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 2 गंभीर घायलों को ग्वालियर रेफर करना पड़ा। हादसे की सूचना के बाद एसपी वीरेंद्र मिश्रा जिला अस्पताल पहुंचे और घायलों से मिलकर हादसे के बारे में जाना। हादसे में दीसवार निवासी नवल किशोर की पत्नी और दो बेटियों की मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि ड्राइवर को नींद आने की वजह से हादसा हुआ होगा। वहीं, दूसरे ट्रैक्टर वालों का कहना है कि स्टीयरिंग जाम हो गया था।

हादसे में इनकी मौत हुई

1. सोनम पिता चंदन अहिरवार (11) 2. क्रांति पिता नवल किशोर (17) 3. सीमा पति नवल किशोर (30) 4. कामनी पिता नवल किशोर (19) 5. रोशनी पिता रमेश अहिरवार (17)

इनको ग्वालियर रेफर किया

1. विनीता पिता पूरन पाल (30) 2. ड्राइवर मुलायम दांगी पति घनश्याम (50)

सरपंच बोले- गांव से करीब 200 लोग जा रहे थे

गांव के सरपंच देवप्रसाद दांगी ने बताया कि 6 ट्रैक्टर-ट्रॉली और टैक्सी में करीब 200 श्रद्धालुओं को रतनगढ़ माता मंदिर ले जा रहे थे। इन्हीं में से एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई, जिसमें लगभग 30 लोग सवार थे। ये रतनगढ़ मंदिर में जवारे चढ़ाने के लिए जा रहे थे।

ग्रामीण बोला- पीछे देखा तो एक ट्रैक्टर नहीं था

ग्रामीण अंकुश दांगी ने बताया, गांव से सभी लोग रात तीन बजे निकले थे। मैं आगे वाले ट्रैक्टर में था। हमारे पीछे बाकी ट्रैक्टर थे। कुछ देर बाद पीछे जाकर देखा तो एक ट्रैक्टर नहीं था। उसमें बैठे लोगों को फोन लगाया तो पता चला कि ट्रैक्टर पुलिया से नीचे गिर गया है। फिर हम वहां पहुंचे और ड्राइवर से बात की।

ये भी घायल हुए

1. तेजा पति लक्ष्मण (55)
2. पाणकुंवर पति बृजभान (40)
3. पंकु पति लालाराम अहिरवार (70)
4. कल्लू दांगी पिता जगत सिंह (22)
5. पुष्पा पति रामचरण पाल (60)
6. सुशीला पति हरिराम प्रजापति (40)
7. उषा पति महेश बड़ाई (40)
8. पुष्पेंद्र पिता नाथूराम दांगी (30)
9. रामकू पति बंसी केवट (50)
10. कृष्णकांत पिता भागवत प्रजापति (13)
11. दीक्षा पिता रामप्रसाद पाल (17)
12. धनवती पति शियाशरण (50)
13. धनवंती केवट पति लखन (40)
14. रामकली पति रामस्वरूप अहिरवार (50)
15. वीरवती पाल पकि प्रागिलाल (50)
16. चेतराम पाल उम्र (80)
17. रानी अहिरवार पति चंदन (32)

एसडीओपी बोले- ड्राइवर को नींद आ गई होगी

भांडेर एसडीओपी कर्णिक श्रीवास्तव ने बताया, घायलों से प्रारंभिक पूछताछ में ट्रैक्टर-ट्रॉली के अनियंत्रित होकर पलटने की ही बात सामने आ रही है। संभवतः ड्राइवर को नींद आ गई थी। अलसुबह करीब 4.30 बजे ग्रामीण ट्रैक्टर ट्रॉली से रतनगढ़ मंदिर जा रहे थे, रास्ते में ट्रैक्टर पुलिया से नीचे गिर गया। हादसे में तीन बच्चियां और दो महिलाओं की मौत हुई है। एक व्यक्ति को उसके परिजन झांसी लेकर गए हैं।

नीट परीक्षा मामले पर जबलपुर हाईकोर्ट में सुनवाई

याचिकाकर्ता बोला-उच्च स्तरीय जांच हो, हाईकोर्ट ने कहा-जुलाई के पहले हफ्ते होगी सुनवाई

जबलपुर (नप्र)। नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट फॉर यूजी (नीट यूजी) पर शुक्रवार को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस शील नागू और जस्टिस अमरनाथ केशरवानी की डिवीजन बेंच ने याचिकाकर्ता का पक्ष सुना। इसके बाद अगली सुनवाई जुलाई के पहले सप्ताह में करने का कहा है।

भोपाल और जबलपुर की दो छात्राओं ने नीट में फर्जीवाड़ा के आरोप लगाकर रिजल्ट पर सवाल उठाए और इसे लेकर जबलपुर हाईकोर्ट में याचिका लगाई है। छात्राओं ने नीट यूजी कराने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के रिजल्ट को गलत ठहराया है। शुक्रवार को इसी याचिका पर सुनवाई हुई।

याचिकाकर्ता ने कहा-एक कोचिंग सेंटर के 8 स्टूडेंट्स को 100 प्रतिशत मार्क्स- जबलपुर की छात्रा अमीषी वर्मा की ओर से दायर याचिका में हाईकोर्ट को बताया गया कि एक कोचिंग सेंटर के 8 स्टूडेंट्स को परीक्षा में 100 प्रतिशत मार्क्स मिले हैं। इनके रोल नंबर भी आगे-पीछे ही थे। याचिकाकर्ता अमीषी का कहना है कि उन्हें 720 में से 615 मार्क्स मिले हैं, उम्मीद 700 से ज्यादा की थी।

याचिकाकर्ता के वकील आदित्य संघी ने नीट फर्जीवाड़े को व्यापम घोटाला से बड़ा बताया। उन्होंने रिजल्ट जारी करने में करोड़ों रुपयों के लेनदेन होने का आरोप लगाया है।

याचिकाकर्ता के वकील बोले- मामले की उच्च स्तरीय जांच होना चाहिए- याचिकाकर्ता के वकील आदित्य संघी ने कोर्ट को बताया कि नीट परीक्षा में बड़ा फर्जीवाड़ा हुआ है, लिहाजा नीट की पूरी परीक्षा री-टेस्ट होनी चाहिए। इसके साथ ही पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच होना चाहिए। साथ ही परीक्षा से जुड़े जितने भी रिकॉर्ड है, उन्हें तुरंत ही सीज करना चाहिए।

अधिवक्ता आदित्य संधी ने बताया कि अपने आपको कवरअप करने के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) ने 1563 छात्रों की कुर्बानी देने की कोशिश की है। उन्होंने बताया कि जरूरी नहीं है कि सिर्फ 1563 बच्चे ही हो, हो सकता है यह संख्या इससे कई गुना ज्यादा हो। पटना में जो पेपर लीक हुआ है, उसके पूरे सबूत सभी के सामने आ चुके है। इसके साथ ही कई सेंटर में एक के पीछेएक छात्रों को बैठाया गया। सभी को नंबर भी 720/720 मिल रहे हैं।

आंसर-की से रिस्पोंड शीट के मिलान पर 617 नंबर, मिले सिर्फ 304 नंबर- भोपाल की छात्रा निशिता के मुताबिक एनटीए की आंसर-की से रिस्पोंड शीट का मिलान करने पर उन्हें 617 नंबर मिल रहे हैं, लेकिन रिजल्ट में 340 मार्क्स ही आए। निशिता का दावा है कि 5 मई को हुई NEET- UG में पूछे गए 180 प्रश्नों में से 159 प्रश्नों के उत्तर सही दिए हैं। 19 प्रश्नों के गलत उत्तर दिए। 2 प्रश्नों के उत्तर 'पता नहीं' दिए थे। नीट यूजी में प्रश्न का गलत उत्तर देने पर हर प्रश्न के लिए 1 नंबर काटने का नियम प्रवेश परीक्षा में था।

उज्जैन में सटोरियों से 15 करोड़ कैश जब्त

3000 गड्डियां और 7 देशों की करेंसी मिली; पुलिस ने रातभर गिनी फिर मशीन मंगवानी पड़ी

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन पुलिस ने एक घर में छापा मारकर सटोरियों से 15 करोड़ रुपए जब्त किए हैं। इनमें पांच-पांच सौ के नोटों की 3000 गड्डियां हैं। इसके अलावा 7 किलो चांदी और 7 देशों की विदेशी मुद्रा भी जब्त की है। पुलिस रातभर नोट गिनती रही। शुक्रवार सुबह नोट गिनने के लिए मशीनें लगानी पड़ी। पुलिस ने 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। ये एमपी, राजस्थान और पंजाब के रहने वाले हैं। मुख्य आरोपी मौके से फरार हो गया।

पुलिस को कृष्णा पार्क और मुस्सद्दीपुरा में बिल्डर पीयूष चोपड़ा के घर में गेमिंग और आईपीएल सट्टे की सूचना मिली थी, जिसके बाद यह रेड की गई। पुलिस के छापे की सूचना मिलने के कारण यहां कारोबार चलाने वाला मुख्य आरोपी पीयूष चोपड़ा भाग निकला। उज्जैन पुलिस ने गेमिंग सट्टा में 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनसे 15 करोड़ रुपए जब्त किए हैं। प्रदेश में संभवतः यह पहला मामला है, जब इतनी बड़ी रकम सटोरियों से एक साथ मिली हो।

उज्जैन पुलिस ने गेमिंग सट्टा में 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनसे 15 करोड़ रुपए जब्त किए हैं। प्रदेश में संभवतः यह पहला मामला है, जब इतनी बड़ी रकम सटोरियों से एक साथ मिली हो।

आरोपियों के पास भी मिली नोट गिनने की मशीन- उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया, गुरुवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि 19 ड्रीम्स में पीयूष चोपड़ा के साथ पंजाब, राजस्थान और मध्य प्रदेश के कुछ लोग कई दिनों से अंतरराष्ट्रीय सट्टा खिला रहे हैं। पुलिस ने दबिश दी। यहां क्रिकेट टी-20 वर्ल्ड कप के बांग्लादेश और नीदरलैंड के मैच पर सट्टा लगाते 9 आरोपियों को पकड़ा। इनके पास से 41 मोबाइल फोन, 11 लैपटाप, 1 मैक-मिनी, 1 आईपैड, राष्ट्रीय - अंतरराष्ट्रीय सिम, 3 मेमोरी कार्ड सहित अन्य संचार उपकरण जब्त किए गए। चांदी की सीलियां भी मिलीं। अलग-अलग रंग के 11 बैगों में कुल 14.58 करोड़ नगद मिले। इनमें कनाडा, संयुक्त अरब अमीरात, यूरो, पाउंड, यूएस डॉलर, हंगरी यूरो, पॉलिश मुद्रा, नेपाली करेंसी थी।

जूम मीटिंग से होती थी सट्टेबाजी

एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि बुकी जूम मीटिंग के माध्यम से जुड़ते थे। एक बार में एक लाइन पर 50,000 से 25,00,000 रुपए तक का धंधा किया जाता था। धंधा कितना किया जाना है यह पीयूष चोपड़ा अपने साथियों को बताता था। इसके बाद बुकीज को धंधे में उतारते थे। एक मैच में करोड़ों रुपयों की हार-जीत की बाजी लगाई जाती थी।

पुलिस ने इन 9 लोगों को गिरफ्तार किया...

पुलिस ने इन 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है 1. रोहित पिता सुरजीत सिंह (26), रेलवे कॉलोनी नीमच एमपी। 2. गौरव पिता सूरजमल जैन (26) कंचननगर नीमच। 3. मयूर जैन पिता विजय जैन (30), बगाना नीमच। 4. आकाश मसीही पिता अजय मसीही (26), मिशन अस्पताल के पास नीमच। 5. हरीश पिता राजमल तेली (36), डाक बंगला रोड निम्बाहेडा राजस्थान। 6. गुरप्रीत सिंह पिता सरदार गुरमिल सिंह (36), माता नगर लुधियाना पंजाब। 7. जसप्रीत उर्फ रूबल पिता हरमंदर सिंह (30), 2730 अमरपुरा लुधियाना पंजाब। 8. सतप्रीत सिंह पिता परमजीत सिंह (34), शहीद भगत सिंह नगर लुधियाना पंजाब। 9. चेतन नेगी पिता स्व. पूरनचंद नेगी (37), शराबानगर लुधियाना पंजाब।

टॉवर पर चढ़े लोग, कमिश्नर चैंबर के बाहर बजाए ढोल-नगाड़े

भोपाल नगर निगम के दफ्तर में हंगामा; अधूरे आवास पर भड़के

भोपाल (नप्र)। भोपाल में नगर निगम के प्रोजेक्ट में अधूरे आवास को लेकर शुक्रवार को लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित लोग ढोल-नगाड़े लेकर आईएसबीटी स्थित नगर निगम के ऑफिस पहुंचे। नगर निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण के रूम के बाहर बैठकर नारेबाजी की। करीब 5 घंटे चले विरोध प्रदर्शन के दौरान कमिश्नर के नहीं मिलने पर कुछ लोग टावर पर चढ़ गए।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि वे कमिश्नर से मिलकर ही जाएंगे। साथ ही ये भी चेतावनी दी कि ये सांकेतिक प्रदर्शन है। जल्द मकान नहीं मिले तो तालाबंदी भी करेंगे। बाद में कमिश्नर मौके पर पहुंचे और 3 महीने में मकान दिए जाने का आश्वासन दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारी शाम करीब 4 बजे हट गए।

बता दें, बाग मुगालिया, गंगानगर, 12 नंबर और राहुल नगर प्रोजेक्ट में जिन लोगों ने घरों की बुकिंग कराई है, वे शुक्रवार सुबह 11.30 बजे आईएसबीटी स्थित निगम ऑफिस पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने परिसर में प्रदर्शन किया। ढोल-नगाड़े बजाए और जमकर नारेबाजी की। इसके बाद वे कमिश्नर नारायण के चैंबर के बाहर बैठ गए थे।

प्रोजेक्ट में शुरू से ही भारी अनियमितता हुई- प्रदर्शनकारियों ने बताया कि प्रोजेक्ट में शुरू से ही भारी अनियमितता की गई है। जिन ठेकेदारों को ठेके दिए वे ब्लैक लिस्टेड थे। पैसा पूरा ले गए, और काम छोड़ विदेश भाग गए। इस बीच नगर निगम में चार कमिश्नर बदल गए, लेकिन हमें मकान नहीं मिला। हमने लोन लेकर पैसा भरा। आज किराया दे रहे हैं। ब्याज सहित मकान की किश्त दे रहे हैं। हम अपना इलाज तक ठीक से नहीं करा पा रहे हैं। बच्चों के भविष्य की चिंता होने लगी है।

कमिश्नर से मिले लोग, आश्वासन के बाद हटे- निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण से मिलने के बाद लोग हट गए हैं। वे सुबह 11 बजे से प्रदर्शन कर रहे थे और चार बजे तक डटे रहे। लोगों ने बताया, कमिश्नर ने आश्वासन दिया है कि 3 महीने के अंदर मकान दे दिए जाएंगे।

म.प्र.में 17-18 जून को मानसून की एंट्री

खरगोन में तेज बारिश, 3 डिग्री लुढ़का पारा; भोपाल, इंदौर समेत 27 जिलों में प्री-मानसून एक्टिविटी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में 17-18 जून को मानसून की एंट्री हो सकती है। इससे पहले, प्रदेश में प्री-मानसून की एक्टिविटी है। कहीं तेज बारिश हो रही है, तो कहीं आकाशीय बिजली गिरने-चमकने या आंधी का दौर है।

शुक्रवार दोपहर को खरगोन में तेज हवा के साथ करीब 45 मिनट बारिश हुई। इससे तापमान में 3 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। मंगलवार को पारा 39.4 डिग्री था, जो आज शुक्रवार को 36.0 डिग्री के आसपास दर्ज हुआ है।

इधर, भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत 27 जिलों में प्री-मानसून की एक्टिविटी का अनुमान है। दूसरी ओर, ग्वालियर, दतिया समेत 9 जिलों में गर्मी का असर भी देखने को मिल सकता है। इससे पहले गुरुवार को कई जिलों में मौसम बदला रहा। भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस, ट्रफ लाइन और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम एक्टिव है। इस वजह से आंधी, बारिश और गरज-चमक की स्थिति बनी हुई है, जो अगले कुछ दिन तक बनी रहेगी। आकाशीय बिजली गिरने की संभावना ज्यादा है। सीनियर वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया, प्रदेश में मानसून 18 जून तक आ सकता है। दक्षिण हिस्से से मानसून एंटर होगा।

इन जिलों में बदला रहेगा मौसम- इंदौर, उज्जैन, रतलाम, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में आंधी, बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। ग्वालियर, दतिया, भिंड, सतना, मैहर, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली में गर्म हवाएं चल सकती हैं। इसके लिए यलो अलर्ट है। भोपाल, झाबुआ, आलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, देवास, शाजापुर, आगर-मालवा, राजगढ़, हरदा, सीहोर, बैतूल, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, दमोह और जबलपुर में गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी। इसके लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है।

कई जिलों में बारिश, गर्मी का असर भी

इससे पहले, गुरुवार को राजगढ़, गुना, देवास समेत खरगोन, खंडवा के ओंकारेश्वर, इंदौर, अनूपपुर के अमरकंटक, भोपाल, सीहोर, बैतूल, आगर, उज्जैन, अशोकनगर, शाजापुर, बड़वानी, श्योपुरकलां, शिवपुरी, विदिशा, बुरहानपुर, धार के मांडू, डिंडोरी, सिवनी, उमरिया, मंडला, सागर और दमोह शाम के बाद मौसम बदला रहा। कहीं बूंदाबांदी तो कहीं आंधी चली।

दूसरी ओर, सिंगरौली सबसे गर्म रहा। यहां दिन का टेम्प्रेचर 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रदेश के टॉप-10 गर्म शहरों में सीधी, रीवा, शहडोल, सतना, खजुराहो, ग्वालियर, कटनी, उमरिया और छतरपुर का बिजावर रहा। सीधी में 44.4 डिग्री, रीवा में 44 डिग्री, शहडोल में 43.4 डिग्री, सतना में 42.9 डिग्री, खजुराहो में 42.6 डिग्री, ग्वालियर में 42.3 डिग्री, कटनी में 42.3 डिग्री, उमरिया में 42.3 डिग्री और बिजावर में टेम्प्रेचर 41.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।